PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

दैनिक
भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'दूसरों को गिराकर ऊँचा उठने की कोशिश अस्थायी होती है, लेकिन खुद को निखारकर आगे बढ़ना ही सच्ची सफलता की पहचान है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-152 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 26 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'कांटे नहीं, फूल बोइए: मानवता का असली मार्ग'

मनुष्य का जीवन केवल अपने लिए जीने का नाम नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा अवसर है जिसमें हम दूसरों के जीवन को भी सुंदर बना सकते हैं। आज के प्रतिस्पर्धी और तनावपूर्ण युग में जहां लोग अपनी सफलता के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं, वहां यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या वास्तव में किसी के जीवन में कांटे बोकर हम अपने लिए खुशियों के फूलों की कल्पना कर सकते हैं? इसका उत्तर स्पष्ट है–नहीं। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

सच्ची खुशी और स्थायी सफलता का मार्ग दूसरों की भलाई से होकर गुजरता है। यदि हम अपने जीवन में सुख, शांति और संतोष चाहते हैं, तो हमें दूसरों के जीवन में भी वही भावनाएं उत्पन्न करनी होंगी। यह प्रकृति का अटल नियम है कि जैसा हम बोते हैं, वैसा ही काटते हैं। यदि हम दूसरों के लिए द्वेष, ईर्ष्या और नफरत के बीज बोएंगे, तो बदले में हमें भी वही मिलेगा। इसके विपरीत, यदि हम प्रेम, सहयोग और सहानुभूति के बीज बोते हैं, तो जीवन में खुशियों के फूल अवश्य खिलेंगे। आज समाज में बढ़ती कटुता, आपसी वैमनस्य और सोशल मीडिया पर फैलती नकारात्मकता इस बात का प्रमाण है कि लोग अपनी वाणी और व्यवहार पर नियंत्रण खोते जा रहे हैं। छोटी-छोटी बातों पर विवाद, अपशब्दों का प्रयोग और दूसरों को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति हमारे सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर रही है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि हम आत्ममंथन करें और यह समझें कि हमारे शब्द और कर्म किसी के जीवन को कैसे प्रभावित कर रहे हैं।

मन की पवित्रता ही वह आधार है, जिस पर सच्चे सुख और शांति का निर्माण होता है। यदि हमारे विचार शुद्ध हैं, तो हमारे कार्य भी सकारात्मक होंगे। यह भी एक सच्चाई है कि कभी-कभी परिस्थितियों के कारण अच्छे लोग भी गलत निर्णय ले लेते हैं, लेकिन यदि उनके मन में पवित्रता और पश्चाताप की भावना है, तो वे अपने कार्यों को सुधार सकते हैं। इसके विपरीत, यदि मन में दुर्भावना है, तो वह न केवल दूसरों को नुकसान पहुंचाती है, बल्कि स्वयं के जीवन को भी अंधकारमय बना देती है। बमानव जीवन अत्यंत दुर्लभ और मूल्यवान है। इसे आपसी झगड़ों, विवादों और द्वेष में नष्ट करना न केवल व्यक्तिगत हानि है, बल्कि समाज के लिए भी घातक है। आज कोर्ट-कचहरी के बढ़ते मामलों, परिवारों में बढ़ती दूरियों और रिश्तों में आती कड़वाहट का मुख्य कारण यही है कि लोग एक-दूसरे को समझने की बजाय आरोप-प्रत्यारोप में अधिक विश्वास करने लगे हैं। यदि हम किसी के साथ गलत व्यवहार करने से पहले स्वयं को उसकी स्थिति में रखकर सोचें, तो शायद हम कई गलतियों से बच सकते हैं।

समाज में प्रेम और एकता का वातावरण बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हम अपने व्यवहार में सकारात्मकता लाएं। परिवार से लेकर समाज तक, हर स्तर पर हमें सहयोग और सम्मान की भावना को बढ़ावा देना होगा। बच्चों को भी यही संस्कार देना जरूरी है कि वे प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सहानुभूति और सहयोग का महत्व समझें। केवल अंक, पद और प्रतिष्ठा ही जीवन का उद्देश्य नहीं हैं, बल्कि एक अच्छा इंसान बनना सबसे बड़ी उपलब्धि है। आज के दौर में यह भी देखने को मिलता है कि लोग दूसरों की असफलता में खुशी महसूस करते हैं और उनकी सफलता से जलते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल व्यक्ति को अंदर से कमजोर बनाती है, बल्कि समाज में भी नकारात्मकता फैलाती है। इसके स्थान पर यदि हम दूसरों की सफलता से प्रेरणा लें और उनकी असफलता में उनका साथ दें, तो समाज में एक सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

अंततः, यह कहना उचित होगा कि जीवन में सच्ची खुशी पाने के लिए हमें अपने दृष्टिकोण को बदलना होगा। हमें यह समझना होगा कि दूसरों को दुख देकर हम कभी सुखी नहीं रह सकते। यदि हम चाहते हैं कि हमारे जीवन में खुशियों के फूल खिलें, तो हमें दूसरों के जीवन में भी खुशियों के बीज बोने होंगे। प्रेम, करुणा और सहयोग ही वह साधन हैं, जिनसे हम एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं।

इसलिए आइए, हम यह संकल्प लें कि हम अपने शब्दों और कर्मों से किसी के जीवन में कांटे नहीं, बल्कि फूल बोएंगे। यही मानवता का सच्चा मार्ग है और यही हमारे जीवन की सबसे बड़ी सफलता भी।

मैं चूरू के पास का हूं, वहां बावड़ियां हैं: सीजेआई

संकट में प्यास बुझाती हैं, हमारे रिटायर जज भी समाज की ऐसी ही बावड़ियां हैं

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा- राजस्थान में बावड़ी होती है। मैं चूरू जिले के पास का हूं।

हमारे पास के जिले में भी बावड़ियां हैं। बावड़ी में बारिश का पानी इकट्ठा कर लिया जाता है। संकट के समय यह बावड़ियां लोगों की प्यास बुझाती हैं। हमारे बुजुर्ग और अनुभवी न्यायाधीश भी समाज की ऐसी ही बावड़ियां हैं। जब भी न्याय व्यवस्था किसी संकट, जटिल विवाद या मार्गदर्शन की स्थिति में होती है। तब हमें इन्हीं अनुभवी लोगों की ओर देखना चाहिए।

उन्होंने कहा- एक बुद्धिमान न्यायपालिका इन अनुभवों को केवल दूर से सम्मान नहीं देती, बल्कि उन्हें संरक्षित करती है। समय आने पर उनसे शक्ति प्राप्त करती है। सीजेआई सूर्यकांत ने शनिवार को जयपुर में यह बात कही। सीजेआई सूर्यकांत शनिवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में एसोसिएशन ऑफ रिटायर्ड जजेज ऑफ सुप्रीम कोर्ट एंड हाईकोर्ट्स ऑफ इंडिया और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (रालसा) की ओर से आयोजित एक दिवसीय कॉन्फ्रेंस 'दी बैंच बियॉड रिटायरमेंट' के शुभारंभ के मौके पर बोल रहे थे।

सीजेआई ने कहा- कोर्ट और उससे जुड़ी संस्थाओं को ज्यादा जागरूक रहने की आवश्यकता है। देश की जनता का इन संस्थाओं पर गहरा विश्वास है। हमारा दायित्व है कि हम उस विश्वास को बनाए रखें।

प्रदेश के 46 जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों को मल्टी यूटिलिटी व्हीकल भी दिए गए।

सीएम ने कहा-समाज आपका अनुसरण करता है

कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- मैं हमेशा जनता के मन में आपके लिए सम्मान देखता हूं। क्योंकि आप जो कहते हैं, समाज उसका अनुसरण करता है। समाज को आप पर विश्वास है। आपकी एक बात को वह अपने जीवन का आधार बना लेता है। क्योंकि आप न्याय की प्रतिमूर्ति हो। आपके प्रति समाज में सम्मान है। उस सम्मान के कारण समाज आपके पद चिन्हों पर भी चलता है।

आप जो भी दिशा देते हैं, समाज के अंदर उसको मान्यता मिलती है। जब समाज उस मान्यता को आगे बढ़ता है तो समाज के अंदर सकारात्मक परिवर्तन होता है। वह परिवर्तन हमारी न्याय की आधारशिला बनता है। इसलिए आपका काम हमेशा चलता है। आप सेवानिवृत्ति के बाद भी समाज को दिशा देते हैं।

सरला पाठशाला के 97 बच्चों के चेहरों पर बिखेरी मुस्कान

एमडी लिटिल फ्लावर के नन्हे हाथों ने बुना परोपकार का इंद्रधनुष

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

किताबों के पन्नों से निकलकर जब संस्कार आचरण में उतरते हैं, तो सच्ची शिक्षा का दीप जलता है। कुछ ऐसा ही नज़ारा शुक्रवार को एमडी लिटिल फ्लावर स्कूल में देखने को मिला, जब 'संवेदना से शिक्षा' का पाठ पढ़ते हुए विद्यालय के बच्चों ने परोपकार की नई इबारत लिख दी। विद्यालय के हर छात्र ने स्वप्रेरणा से अपने घर से एक यूनिफॉर्म, कोरी कॉपी-किताब और बिस्किट के पैकेट लाकर दान के इस यज्ञ में अपनी आहुति दी। नन्हीं हथेलियों से सजाए गए ये उपहार जब शहर की एक पाठशाला के 97 बच्चों तक पहुंचे, तो खुशी की लहर दौड़ गई। उपहार पाकर मासूम चेहरों पर जो चमक आई, वह किसी भी पुरस्कार से अनमोल थी। इस दौरान दो विद्यालयों के बच्चों के बीच मित्रता का अद्भुत संगम देखने को मिला। सामूहिक प्रार्थना की गूंज, प्रेरक कविताओं के स्वर और सौहार्दपूर्ण खेलों की किलकारियों ने दोनों स्कूलों के बीच आत्मीयता का नया सेतु बांध दिया। इस प्रेरणादायी अवसर पर स्कूल के चेयरमैन सुनील डांगी ने कहा, 'जब हर बच्चा व्यक्तिगत स्तर पर मदद के लिए कदम बढ़ाता है, तभी समाज में सच्चा बदलाव आता है। ये बच्चे कल के भारत की सबसे मजबूत नींव हैं।' डायरेक्टर समित डांगी ने भावुक होते हुए कहा, 'विद्यालय की शिक्षा तभी सार्थक है जब बच्चा उसे अपने आचरण में उतारे। आज हमारे बच्चों ने संवेदना को संस्कार बनाकर दिखा दिया।' प्रिंसिपल अंकित शर्मा ने बताया, 'शिक्षकों के मार्गदर्शन में बच्चों ने खुद पहल की और अपने घर से सामान लाकर बांटा। यही भाव, यही संवेदना हमारी सबसे बड़ी पूंजी है।' उन्होंने सभी विद्यार्थियों और अभिभावकों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन पाठशाला के बच्चों द्वारा प्रस्तुत हृदयस्पर्शी धन्यवाद गीत और एक अविस्मरणीय सामूहिक छायाचित्र के साथ हुआ। उस पल पूरा वातावरण आत्मीयता, उल्लास और मानवता की खुशबू से महक उठा–एक ऐसा पल जो सबकी स्मृतियों में हमेशा के लिए अंकित हो गया।

मलसीसर में स्कूल में 'ऑपरेशन महिला गरिमा' के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.मलसीसर।

पुलिस थाना मलसीसर द्वारा संत श्री नंदलाल स्मृति बाल विद्या मंदिर स्कूल में 'ऑपरेशन महिला गरिमा' के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन और वृताधिकारी हरिसिंह धायल के सुपरविजन में थाना प्रभारी डॉ. महेन्द्र कुमार के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों से संवाद स्थापित कर उन्हें नवीन आपराधिक कानूनों, राजकॉप सिटीजन ऐप, महिला गरिमा हेल्पलाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा आपातकालीन सेवा 112 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही साइबर अपराधों से बचाव, डिजिटल अरेस्ट के खतरे, ऑनलाइन निवेश ठगी, म्यूल अकाउंट से जुड़े जोखिम और सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों की पालना के लिए भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के अभिभावक भी उपस्थित रहें।

नीमराना में 'वेतन युद्ध': मालिकों के विवाद में पिस रहें मजदूर

तीन माह से वेतन नहीं, 10 दिन बाद फिर गेट पर फूटा गुस्सा

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । औद्योगिक क्षेत्र की नेक्सजन फ्लोरो पॉलिमर्स कंपनी में वेतन संकट अब टकराव के नए दौर में पहुंच गया है। तीन महीने से सैलरी का इंतजार कर रहे श्रमिकों का सब्र जवाब दे चुका है। मंगलवार को हुए प्रदर्शन के करीब 10 दिन बाद ही शनिवार को मजदूर एक बार फिर कंपनी गेट पर उतर आए और प्रबंधन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। मालिकों की लड़ाई में छिन रही रोटी' प्रदर्शनकारी श्रमिकों का कहना है कि कंपनी मालिकों की आपसी खींचतान ने उनकी जिंदगी को अंधेरे में धकेल दिया है। 'मालिकों की लड़ाई में हम गरीबों की रोटी छिन रही है,' यह कहते हुए कर्मचारियों ने आक्रोश जताया। कंपनी में कार्यरत करीब 35 कर्मचारियों–जिनमें सिक्योरिटी गार्ड भी शामिल हैं–का आरोप है कि किसी को भी अब तक वेतन नहीं मिला है, जबकि घर खर्च चलाना मुश्किल होता जा रहा है।

प्रशासन का आश्वासन भी बेअसर

श्रमिकों ने बताया कि पहले प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने हस्तक्षेप किया था। एसडीएम महेंद्र यादव और थाना प्रभारी राजेश मीणा ने मालिकों से बातचीत कर जल्द वेतन दिलाने का भरोसा दिया था। प्रबंधन की ओर से तीन दिन में भुगतान का आश्वासन भी मिला, लेकिन तय समय बीतने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। इससे नाराज मजदूर अब प्रशासनिक कार्रवाई पर भी

सवाल उठाने लगे हैं। एचआर भी बेबस, पार्टनरों का विवाद बना वजह कंपनी के एचआर राजेश ने भी स्वीकार किया कि उनका खुद का वेतन रुका हुआ है। उनके अनुसार कंपनी के पार्टनर्स के बीच चल रहे अंदरूनी विवाद के चलते भुगतान अटका हुआ है। हालांकि, प्रबंधन ने फिर से तीन दिन के भीतर वेतन जारी करने की बात कही है।

कर्ज लेने को मजबूर हुए कर्मचारी

लगातार वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। कई श्रमिकों का कहना है कि उन्हें परिवार चलाने के लिए उधार लेना पड़ रहा है। बच्चों की फीस, घर का राशन और रोजमर्रा के खर्च पूरे करना मुश्किल हो गया है। बार-बार के प्रदर्शन के बावजूद समाधान न निकलने से हालात धीरे-धीरे विस्फोटक होते जा रहे हैं। अगर जल्द ही वेतन का भुगतान नहीं हुआ, तो यह विवाद और बड़ा रूप ले सकता है। फिलहाल, सभी की निगाहें प्रबंधन और प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं।

राजस्थान के 7 जिलों में बारिश, राजसमंद में गिरे ओले

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान में तेज गर्मी के बीच अचानक मौसम बदल गया। बीकानेर, सीकर, सवाई माधोपुर और बाड़मेर जिले में शनिवार को बारिश हुई। राजसमंद जिले में बारिश के साथ ओले भी गिरे। बीकानेर के नोखा में दोपहर में अचानक मौसम बदला और बारिश हुई। वहीं सवाई माधोपुर के गंगापुर सिटी में दोपहर 3 बजे आधे घंटे तक तेज बरसात हुई। राजसमंद जिले के कुंभलगढ़ में शाम 4 बजे के बाद आधे घंटे तक बारिश हुई। कुछ जगह ओले भी गिरे। सीकर में शाम करीब 4:15 बजे तेज धूप के बीच 5 मिनट तक बारिश हुई। इसके बाद लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली। झुंझुनूं में दोपहर बाद आंधी के साथ बारिश हुई। जयपुर में शाम को आंधी चली। अजमेर में रात 9 बजे बारिश हुई।

राजस्थान में RGHS को लेकर शिक्षकों का विरोध, इलाज नहीं मिलने से नाराज़गी

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं/जयपुर।

राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (RGHS) को लेकर प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों, खासकर प्राथमिक शिक्षकों में असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है। शिक्षकों का आरोप है कि नियमित वेतन कटौती के बावजूद उन्हें समय पर और उचित चिकित्सा सुविधा नहीं मिल रही है। प्राथमिक अध्यापक संघ (लेवल प्रथम) के पदाधिकारियों ने इस मुद्दे पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि राज्य सरकार हर महीने शिक्षकों के वेतन से RGHS के नाम पर अनिवार्य अंशदान काट रही है, लेकिन जब किसी शिक्षक या उसके परिवार को इलाज की जरूरत पड़ती है तो योजना का लाभ लेने में भारी परेशानी होती है। संघ के अनुसार, कई सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में स्त्र॥स कार्ड दिखाने के बावजूद मरीजों को भर्ती करने या इलाज देने से मना किया जा रहा है। अस्पताल प्रशासन तकनीकी खामियों, पोर्टल में दिक्कत या सरकार से भुगतान लंबित होने जैसे कारण बताकर मरीजों को वापस लौटा देते हैं। इससे शिक्षकों में रोष बढ़ता जा रहा है।

इस स्थिति के चलते शिक्षकों को मजबूरी में निजी अस्पतालों में अपने खर्च पर इलाज कराना पड़ रहा है। इससे उन पर दोहरी आर्थिक मार पड़ रही है, क्योंकि एक तरफ वेतन से अंशदान कट रहा है और दूसरी तरफ इलाज के लिए अलग से खर्च करना पड़ रहा है। संघ के स्टेट चेयरमैन खेमराज मीणा ने कहा कि शिक्षक अपनी मेहनत की कमाई का हिस्सा सरकार को दे रहे हैं, लेकिन बदले में उन्हें केवल सिस्टम की नाकामी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने इसे कर्मचारियों के साथ अन्याय बताते हुए कहा कि जब सरकार अंशदान ले रही है तो उसे निर्बाध चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करनी चाहिए। प्राथमिक अध्यापक संघ ने राजस्थान सरकार से मांग की है कि स्त्र॥स से जुड़ी तकनीकी समस्याओं को तुरंत दूर किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी सूचीबद्ध अस्पताल कर्मचारी को इलाज देने से मना न करे। साथ ही अस्पतालों के लंबित भुगतान जल्द जारी किए जाएं और शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था बनाई जाए। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो राज्यभर में आंदोलन को तेज किया जाएगा। शिक्षकों का कहना है कि वे लंबे समय से इस समस्या को उठा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है। कुल मिलाकर, स्त्र॥स जैसी महत्वपूर्ण योजना का उद्देश्य कर्मचारियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देना है, लेकिन जमीनी स्तर पर खामियों के चलते यह योजना अपने उद्देश्य से भटकती नजर आ रही है। अब देखना होगा कि सरकार इस बढ़ते असंतोष पर क्या कदम उठाती है।

पौधे को कैसे होता है पुष्पित होने का एहसास

वैज्ञानिकों ने अंततः 80 साल पुरानी एक पहेली को हल करने का दावा किया है कि पौधों को यह बात कैसे पता चलती है कि उन्हें कब पुष्पित होना है। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह उनके जीन्स में होता है। वाशिंगटन विश्वविद्यालय के एक दल के अनुसार फूल खिलने की प्रक्रिया किसी पौधे के पुष्पित पल्लवित होने के लिए महत्वपूर्ण होती है और इसके उचित समय का पता लगाने में आणविक घटनाक्रमों का सिलसिला होता है। जिसमें पौधे की जैविक घड़ी और धूप शामिल है। दल का नेतृत्व करने वाले प्रोफेसर ताकातो इमाइजुमी ने कहा कि अरबीडोप्सिस नामक अध्ययन में यह समक्षने का प्रयास किया गया कि किसी सामान्य पौधे में फूलों के खिलने का काम कैसे होता है। इससे यह समक्षने में बेहतरी होगी कि धान, गेहूं और जौ जैसी फसलों के तौर पर उगे और जटिल पौधों में ये ही जीन्स किस तरह काम करते हैं। उन्होंने कहा, यदि हम फूल उगने के समय को नियमित कर सकते हैं तो इसे बढ़ाकर या इसमें देरी कर उपज बढ़ाने में सक्षम हो सकते हैं। प्रणाली को समझने से हमें इसमें बदलाव की सहजता होती है। साल में विशेष समयों पर पौधों के पुष्पित होते समय उनकी पत्तियों में फ्लोवरिंग लोकस टी नामक प्रोटीन बनता है जो इस प्रक्रिया को प्रेरित करता है। यह प्रोटीन पत्तियों से शूट एपेक्स में पहुंचता है जो पौधे का वह हिस्सा है जहां कोशिकाएं एक जैसी होती हैं। इसका मतलब है कि ये कोशिकाएं पत्तियां या फूल बन सकती हैं। इस शूट एपेक्स में प्रोटीन में आणविक बदलाव होते हैं जो कोशिकाओं को फूल बनने की दिशा में बढ़ाते हैं।

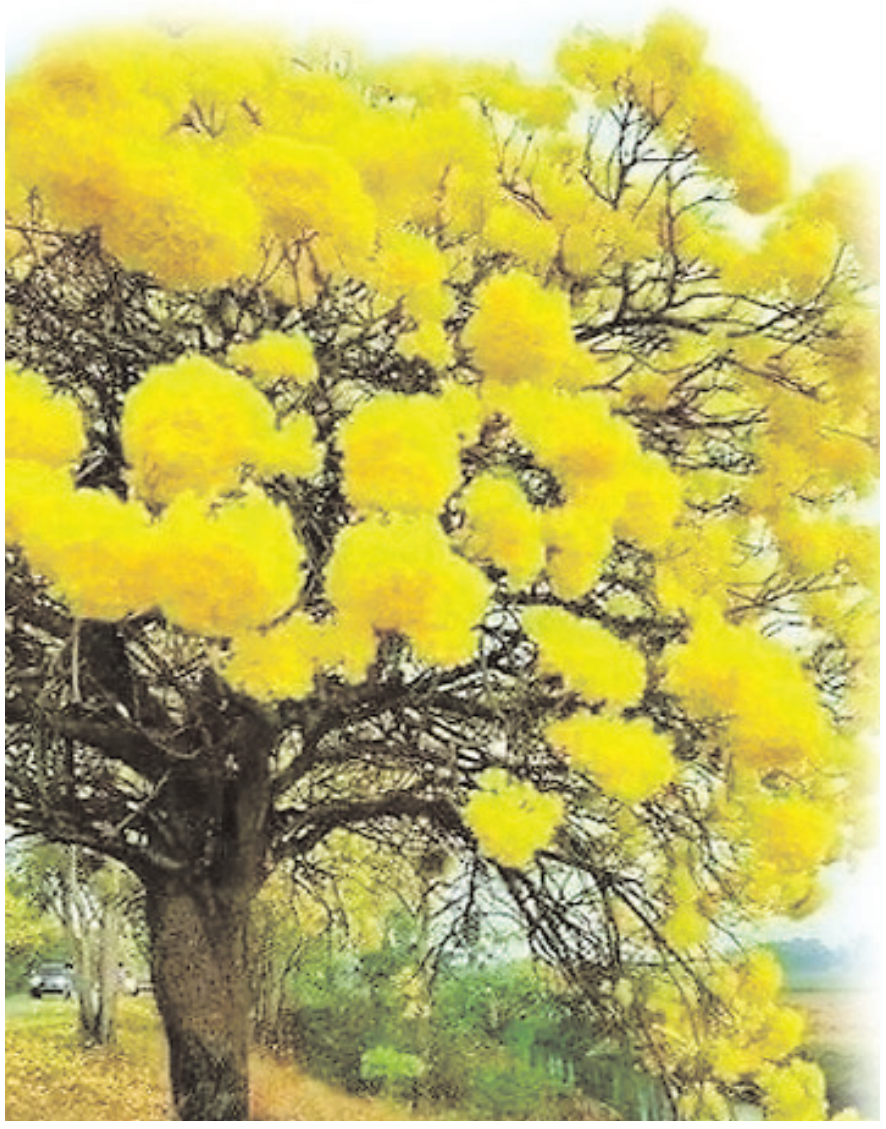

क्या तुम्हें पता है कि हम इनसानों की तरह ही पेड़-पौधे भी आपस में बातें करते हैं! वो हमारी बात समझ सकते हैं। पेड़-पौधों को म्यूजिक सुनना भी पसंद है। वैज्ञानिक शोध में भी यह बात सामने आई है कि पेड़, फूलों के माध्यम से बातचीत करते हैं। पेड़ों के कम्युनिकेशन से जुड़ी कुछ मजेदार बातें

फूल और पौधे भी करते हैं बातें

हमने भारत के महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस का नाम सुना है न। उन्होंने ही सबसे पहले यह बात बताई थी कि पौधे यानी प्लांट भी संवेदनशील होते हैं और जब कोई उन्हें प्यार करता है, तो वे महसूस करते हैं। उन्हें भी अच्छा संगीत प्रभावित करता है। और पता है? पौधे न सिर्फ किसी चीज को महसूस करते हैं, बल्कि अपनी बात कहते हैं। लेकिन बोल कर नहीं, कुछ दूसरे तरीकों से। वे हमारी तरह ही एक्टिव रहते हैं। वे खतरे को भांप कर अपनी रक्षा के उपाय भी करते हैं। अपने साथी पौधों को इसकी सूचना भी देते हैं। ये कोई कल्पना भर नहीं है, बल्कि इसे लेकर कई रिसर्च हुए हैं और उनसे ये बातें पता चली हैं। आज हम तुम्हें पौधों के बारे में कुछ ऐसी ही दिलचस्प बातें बता रहे हैं।

अपनी रक्षा के लिए आवाज लगाते हैं पौधे

फूल-पौधे कई बार अपनी सुगंध के जरिये अपनी रक्षा के लिए मदद मांगते हैं। जब कोई कीट पत्तियों, डालियों, फूलों को खा रहा होता है, तो अपनी महक के जरिये पौधे अपने मददगार इन्सेक्ट को आकर्षित करते हैं। ये इन्सेक्ट महक से आकर्षित होकर पौधे के पास आते हैं और उसे नुकसान पहुंचाने वाले कीटों (पेस्ट्स) को खा जाते हैं। जैसे कि तंबाकू का पौधा अपने सलाइवा की मदद से हॉर्नवर्म के कैटरपिलर को पहचान लेता है और फिर एक केमिकल सिग्नल छोड़ता है, जो कैटरपिलर के दुश्मन को आकर्षित करता है। फिर कुछ ही घंटों में कैटरपिलर का दुश्मन इन्सेक्ट यानी कीट पौधे के पास आ जाता है और उसे कैटरपिलर से छुटकारा दिला देता है।

खतरे को देख अपनी सुरक्षा बढ़ा देते हैं पौधे

पता है, पौधे अपने आसपास के पौधों के केमिकल सिग्नल्स को समझ सकते हैं और कई बार दूसरे पौधों पर कोई खतरा मंडराता है, तब उस सिग्नल को देख अपनी सुरक्षा को बढ़ा देते हैं, क्योंकि उन्हें पता चल जाता है कि कोई भूखा इन्सेक्ट आसपास ही है। करीब पांच-छह साल पहले 48 स्टडी का विश्लेषण किया गया था, जिनमें यह बात पता चली कि पौधे अपनी सुरक्षा बढ़ा देते हैं, जब उनके आसपास के पौधों को नुकसान पहुंचता है। जैसे कि जब सेजब्रश को हॉर्नवर्म नुकसान पहुंचाता है, तो वह अपनी सुरक्षा में ट्रिप्सीन प्रोटीनेज इन्हिबिटर्स (टीपीआईज) प्रोटीन रिलीज करता है। टीपीआईज इन्सेक्ट को प्रोटीन डाइजेस्ट करने से रोक देते हैं और इन्सेक्ट की ग्रोथ को भी रोक देते हैं। जब आसपास के पौधे, यहां तक कि दूसरी प्रजाति के पौधे, सेजब्रश के नुकसान को भांप लेते हैं तो अपनी सुरक्षा की तैयारी कर लेते हैं।

एक-दूसरे से मुकाबला करते हैं पौधे

तुम्हें पता है! पौधे सूरज की रोशनी, अपनी पोजीशन के लिए आसपास के पौधों के साथ धक्कामुक्की भी करते हैं। यह बात अलग है कि ऐसा वे अपने तरीके से करते हैं। एक झगड़ालू प्लांट है नैपवीड। नैपवीड की जड़ें एक खास किस्म का केमिकल रिलीज करती हैं, जो उसे मिट्टी से पोषक तत्व प्राप्त करने में मदद करता है। साथ ही वो केमिकल नैपवीड के आसपास की देसी घास को भी खत्म कर देता है। इस तरह नैपवीड अपने आसपास की जगह हथिया लेता है। है न यह स्वार्थी और बदमाश पौधा! लेकिन कुछ प्लांट स्मार्ट भी होते हैं और इस केमिकल के खिलाफ सुरक्षा कवच बना लेते हैं। ल्यूपिन की जड़ें ऑक्जेलिक एसिड निकालती हैं, जो नैपवीड द्वारा रिलीज किए जाने वाले नुकसानदायक केमिकल के खिलाफ एक बैरिकेड बना देती है। यहां तक कि ल्यूपिन आसपास के पौधों की भी नैपवीड जैसे आक्रामक पौधों से रक्षा करता है।

अपने सहोदर को पहचानते हैं पौधे

जब किसी पौधे के पास दूसरा कोई पौधा या पौधे उग रहे होते हैं, तो वह उसे महसूस कर सकता है। जानवरों की तरह उनमें भी अपने सहोदर को पहचानने और मदद करने की प्रवृत्ति होती है। वे सूरज की रोशनी और दूसरी चीजों को हासिल करने में एक-दूसरे की मदद करते हैं और जब कोई दूसरा पौधा उनके ऊपर छाने लगता है, तो वे भी और बढ़ने लगते हैं।

एक पौधा है 'सी रॉकेट'। उसके साथ एक प्रयोग किया गया। जब उसे एक गमले में अपने 'सिबलिंग' के साथ उगाया गया, तो उसकी जड़ें कम फैलीं। जब उसे 'अपरिचित पौधों' के साथ दूसरे गमले में उगाया गया, तो उसने अपनी जड़ें ज्यादा फैला लीं, ताकि वह मिट्टी से अपने लिए पोषक तत्व ज्यादा ले सके, सूरज की रोशनी ज्यादा ले सके। यानी जब पौधे अपने सिबलिंग के साथ उगते हैं, तो एक-दूसरे की जरूरतों का ज्यादा ध्यान रखते हैं। एक और एक्सपेरिमेंट से यह पता चला कि पौधे अपने सिबलिंग को केमिकल सिगनल के जरिये पहचानते हैं।

मैमल्स के साथ भी संपर्क करते हैं पौधे

पौधे केवल इनसेक्ट को ही आकर्षित नहीं करते, चमगादड़ जैसे मैमल्स को संदेश भेज कर अपने पास बुला लेते हैं। एक मांसाहारी पिचर प्लांट है- नेपेंथेस हेम्सलेना। उसके पास चमगादड़ (बैट) को आकर्षित करने का एक अनूठा सिस्टम है। इस प्लांट का आकार कटोरे या घड़े जैसा होता है। एक नई स्टडी के मुताबिक, इस प्लांट का स्ट्रक्चर ऐसा होता है कि उसके कारण चमगादड़ उसके पास खिंचे चले आते हैं और अपने मल-मूत्र के जरिये इस पिचर प्लांट को पोषक तत्व प्रदान करते हैं।

कितने तरह की स्केटिंग

रोलर स्केटिंग, आइस स्केटिंग, इन लेन स्केटिंग। रोलर स्केटिंग का भारत में बहुत चलन है। इसे सीखना आसान है।

स्केटिंग करो फिट रहो

स्केटिंग उतनी ही आसान और सुरक्षित है जितना कि दूसरे गेम खेलना, जैसे साइकिल चलाना, बास्केटबॉल या अन्य गेम खेलना। आजकल बहुत से स्कूलों में स्केटिंग सिखाई जाती है। स्केटिंग केवल मनोरंजन का ही साधन नहीं है, बल्कि तुम इसे अपना कॅरियर भी बना सकते हो। स्केटिंग के भारत में बहुत से प्रक्षिशण केंद्र हैं, जो बच्चों को चुनकर उन्हें दूसरे देशों में चैम्पियनशिप के लिए भेजते हैं। लेकिन ये सब बातें करने से पहले यह जानो कि स्केटिंग के क्या फायदे हैं - स्केटिंग एक ऐसी व्यायाम की मशीन है, जिसको करने से तुमको मजा भी आता है और चुस्त और स्वस्थ रहते हो। पैरों की ताकत बढ़ती है। शरीर की सभी मसल्स की एक्सरसाइज हो जाती है। रीढ़ की हड्डी भी सही रहती है। हाथों और पैरों का सामंजस्य बनाए रखने में मदद मिलती है। दिमाग और समझने की क्षमता बढ़ती है। चौकन्ना रहकर सीखते हो। स्केटिंग करना भागना और साइकिल चलाने से अधिक फायदेमंद है। तुमको सब बच्चों से मिलने का और बात करने का मौका मिलता है और नई जानकारी मिलती है।

वृहस्पति का नया चंद्रमा!

दोस्तों, तुम्हें तो पता ही होगा कि वृहस्पति के पास सबसे अधिक उपग्रह हैं। अब ताजा खबर यह है कि वैज्ञानिकों ने इसका एक और नया उपग्रह खोज निकालने का दावा किया है। इसे वृहस्पति का 17वां उपग्रह माना जा रहा है। दरअसल, पिछले साल अरीजोना यूनिवर्सिटी और मैसाचुसेट्स के वैज्ञानिकों ने वृहस्पति के चारों ओर एक आकृति को चक्कर काटते देखा था। फिर स्पेसवॉच कार्यक्रम के तहत धूमकेतुओं और क्षुद्रग्रहों को स्कैन कर दिया गया। जब उन्होंने इस नए उपग्रह को देखा तो उन्हें लगा कि यह या तो कोई क्षुद्रग्रह है या कोई धूमकेतु।

(क्षुद्रग्रह बर्फ और धुएं का छोटा सा हिस्सा होता है और सूर्य के चारों तरफ घूमता रहता है। जब यह सूर्य के पास पहुंचता है तो यह धूमकेतु वाष्पीकृत होकर सिर और पूंछ में तब्दील हो जाता है। सौर मंडल में क्षुद्रग्रह मंगल और बृहस्पति के बीच बड़े पैमाने पर पाए जाते हैं।)

वैज्ञानिकों ने इस बात पर विचार किया कि जो यह नई चीज दिखाई दे रही है, वह अगर क्षुद्रग्रह और धूमकेतु नहीं है तो आखिर क्या है? वैज्ञानिक इस बात को लेकर बड़ी उलझन में थे। वे सोच रहे थे कि हमने जो पिछले महीने ऑर्बिट में देखा था, वह आखिर क्या था? (सौर मंडल में ऑर्बिट एक ऐसा रास्ता है, जिसमें एक वस्तु दूसरी वस्तु के चारों ओर घूमती है। ऑर्बिट में हर चीज अपने आप में खास होती है।) वैज्ञानिकों ने पाया कि वृहस्पति ग्रह के चारों ओर घूमने वाला यह नया उपग्रह है, जो पहले नहीं देखा जा सका था। यही वजह है कि वैज्ञानिकों ने इस उपग्रह के लिए कोई खास नाम नहीं रखा है। फिलहाल इसे एस/1999 जे नाम से पुकारा जा रहा है।

नए पाए गए उपग्रह का व्यास 5 किमी है। इसका मतलब यह है कि इस उपग्रह के एक छोर से दूसरे छोर तक पैदल चलने में केवल 5 किमी का सफर करना होगा। इस तरह देखा जाए तो यह वृहस्पति ग्रह का सबसे छोटा उपग्रह है। केवल वृहस्पति का ही नहीं, बल्कि इस सौर मंडल का यह सबसे छोटा उपग्रह होगा। इस उपग्रह के पाए जाने से पहले वृहस्पति का जो सबसे छोटा उपग्रह था, उसका नाम लेडा था। लेडा का व्यास 8 से 16 किमी तक था। अगर तुम ध्यान से देखोगे तो यह देखोगे कि इससे पहले भी वृहस्पति के उपग्रहों में हलचल दिखाई दी है। कुछ दिनों पहले वृहस्पति का सबसे बड़ा उपग्रह भी खोजा गया था। सबसे बड़े उपग्रह ने बहुत हलचल मचाई। यह उपग्रह हमारे सौर मंडल में पाया जाने वाला अकेला उपग्रह है, जहां धरती की तुलना में ज्वालामुखी गुण कहीं ज्यादा पाए जाते हैं। हम सभी यह जानते हैं कि यह वृहस्पति का आखिरी उपग्रह नहीं है। यह उपग्रह अपने अंदर बहुत से रहस्य समेटे हुए है, जो वक्त के साथ खोजने पर सामने आएंगे।

हमारा चांद सबसे अनूठा

हमारे पास यानी पृथ्वी के पास एक ही चांद है, जिसे हम चंदा मामा कहते हैं। अपने सौरमंडल का सबसे चमकीला है अपना चंद्रमा। तुम्हें तो मालूम ही है कि हमारे और सूर्य के बीच में दो और ग्रह हैं। सूर्य के सबसे करीब बुध है और दूसरे स्थान पर शुक्र। हम तीसरे स्थान पर हैं। बुध और शुक्र के पास कोई चंद्रमा नहीं है, लेकिन हमारे पास एक चंद्रमा है। उस पर सूर्य की रोशनी पड़ती है और वह चमकता रहता है। तुम्हें जानकर आश्चर्य होगा कि हम कभी भी पूरे चांद को नहीं देख पाते। हमेशा उसका एक ही हिस्सा हम देख पाते हैं। जानते हो ऐसा क्यों होता है? ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि जितने समय में वह हमारी पृथ्वी का एक चक्कर लगाता है, उतने ही समय में अपनी धुरी पर भी एक चक्कर लगा लेता है। इस कारण हमें उसका एक ही हिस्सा दिखता है और दूसरा हिस्सा हमेशा अंधेरे में रहता है। चांद को पृथ्वी का एक चक्कर लगाने में लगभग 27 दिन 7 घंटे और 43 मिनट का समय लग जाता है। यह हमारी पृथ्वी से काफी करीब भी है। पृथ्वी से इसकी औसत दूरी लगभग 3 लाख 84 हजार 400 किलोमीटर है। यानी पृथ्वी से चंद्रमा की दूरी कभी कम और कभी अधिक हो जाती है। जब चंद्रमा पृथ्वी से दूर होता है, उस समय यह दूरी लगभग 4 लाख 5 हजार 500 किलोमीटर होती है और जब चंद्रमा पृथ्वी के करीब आ जाता है तो दोनों के बीच की दूरी 3 लाख 56 हजार 300 किलोमीटर हो जाती है। शायद तुम्हें यह मालूम नहीं होगा कि समुद्र में बड़ी-बड़ी लहरें कब और क्यों उठती हैं। यह अपने चंद्रमा के कारण ही होता है। जब चंद्रमा और पृथ्वी के बीच की दूरी कम होती है तो समुद्र में ऐसी लहरें उठती हैं। इसका कारण है चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण बल। वैसे तो यह बल पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बल के छठे हिस्से के बराबर है, लेकिन समुद्र के पानी पर उसका असर हो ही जाता है। अगर तुम वहां जाना चाहो तो रॉकेट से सिर्फ 13 घंटे में पहुंच सकते हैं। प्रकाश को तो इतनी दूरी तय करने में दो सेकेंड भी नहीं लगते हैं। चंद्रमा का व्यास 3476 किलोमीटर है। अगर तुम ऐसे चार चंद्रमाओं को मिला दोगे तो जितना बड़ा चंद्रमा बनेगा, उतनी ही बड़ी है हमारी पृथ्वी। यानी हमारी पृथ्वी का लगभग एक चौथाई आकार है चंद्रमा का। यहां न तो हवा है और न ही मौसम। वैज्ञानिकों ने यह भी पता लगा लिया है कि पृथ्वी की एक बड़ी टक्कर से चंद्रमा बना। यह टक्कर आज से लगभग 4.5 अरब वर्ष पहले हुई थी।

प्रदूषण बोर्ड ने नष्ट कराया 225 किलो प्लास्टिक कचरा

पर्यावरण संरक्षण के लिए बोर्ड सख्त, मुरथल भेजा गया जब्त किया गया प्रतिबंधित सामान

अब कचरे से बनाई जाएगी बिजली

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने पर्यावरण को बचाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए नारनौल क्षेत्र से भारी मात्रा में प्रतिबंधित प्लास्टिक कचरे का निपटान किया है। विभाग द्वारा चलाए गए विशेष अभियान के दौरान लगभग 225 किलोग्राम एकल-उपयोग प्लास्टिक (सिंगल यूज प्लास्टिक) एकत्र किया गया था। इसे आज सुरक्षित तरीके से मुरथल स्थित कचरे से ऊर्जा बनाने वाले संयंत्र में भेज दिया गया है। वहां इस कचरे का वैज्ञानिक विधि से निस्तारण किया जाएगा और इसका उपयोग बिजली उत्पादन के लिए होगा।

यह पूरी कार्रवाई राज्य में प्लास्टिक पर लगे प्रतिबंध को कड़ाई से लागू करने और प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से की गई है। प्रदूषण बोर्ड की टीमें लगातार क्षेत्रों का निरीक्षण कर रही हैं और लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्ती भी बरत रही हैं। इसी कड़ी में जब्त किए गए इस कचरे को ऐसे स्थान पर भेजा गया है जहां यह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के बजाय ऊर्जा का स्रोत बनेगा। महेंद्रगढ़ के क्षेत्रीय अधिकारी विजय चौधरी ने बताया कि विभाग का मुख्य लक्ष्य पूरे क्षेत्र को प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्त करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में भी इस तरह के अभियान और कड़ी कार्रवाइयां जारी रहेंगी। इसके साथ ही उन्होंने आम जनता से भी सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि नागरिक अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में प्लास्टिक का त्याग करें और पर्यावरण को बचाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें, क्योंकि जन-सहयोग के बिना इस लड़ाई को जीतना संभव नहीं है।

नगरपालिका कनीना उपचुनाव में आखिरी दिन 6 उम्मीदवारों ने भरे नामांकन, कुल 8 प्रत्याशी मैदान में

भीम प्रज्ञा न्यूज.कनीना।

नगरपालिका कनीना के वार्ड संख्या 14 में होने वाले उपचुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन शनिवार को 6 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए, जिससे कुल प्रत्याशियों की संख्या बढ़कर 8 हो गई है। 21 से 25 अप्रैल तक चली नामांकन प्रक्रिया के दौरान अंतिम दिन सुमेर सिंह यादव, अशोक कुमार, बलजीत, प्रदीप यादव और अनूप यादव ने अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। इसके अतिरिक्त विकास ने अपने पिता सुरेंद्र के पक्ष में कवरिंग उम्मीदवार के रूप में नामांकन प्रस्तुत किया। प्रशासन द्वारा नामांकन प्रक्रिया की विस्तृत रिपोर्ट जिला उपायुक्त एवं राज्य निर्वाचन आयोग, पंचकूला को प्रेषित कर दी गई है। चुनाव रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पूरी नामांकन प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि 27 अप्रैल को प्रातः 11:30 बजे नामांकन पत्रों की जांच (स्क्रूटनी) की जाएगी, जबकि 28 अप्रैल को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक नाम वापसी का समय निर्धारित किया गया है। इसके उपरांत प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे।

उन्होंने आगे बताया कि 10 मई को मतदान संपन्न होगा तथा 13 मई को मतगणना की जाएगी। चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक प्रबंध किए गए हैं। मतदाताओं की सुविधा एवं शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए कंट्रोल रूम (संपर्क नंबर: 01285-294030) स्थापित किया गया है। मतदान के लिए 'पितामह कान्हसिंह धर्मशाला' को मतदान केंद्र निर्धारित किया गया है। साथ ही, सुरक्षा के मद्देनज़र पुलिस प्रशासन को अलर्ट पर रखा गया है और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं।

मंडावा में गूंजा विजय का उत्सव: वाहिदपुरा राजकीय विद्यालय की शानदार सफलता पर निकली भव्य रैली

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, वाहिदपुरा के विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम हासिल कर गांव और पूरे मंडावा ब्लॉक का नाम रोशन किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में शनिवार को पूरे गांव में संगीतमय और देशभक्ति गीतों के साथ एक भव्य विजय रैली निकाली गई, जिसने पूरे क्षेत्र में उत्साह और गर्व का माहौल बना दिया। रैली में विद्यार्थियों का जोश देखते ही बन रहा था। हाथों में तिरंगा और चेहरे पर सफलता की चमक लिए छात्र-छात्राएं पूरे गांव में निकले और अपनी मेहनत का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। इस शानदार परिणाम ने न केवल वाहिदपुरा गांव, बल्कि झुंझुनू जिले में भी विद्यालय की अलग पहचान स्थापित कर दी है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक क्षेत्र के साथ-साथ खेलकूद, स्काउट-गाइड, एनएमएमएस एवं अन्य सहगामी गतिविधियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया है। इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व छात्र एवं वर्तमान में तेतरा गांव में वरिष्ठ अध्यापक के रूप में कार्यरत, हाल ही में राजस्थान प्रशासनिक सेवा (इस) में चयनित कीर्तिपाल सिंह का साफा पहनाकर और माला पहनाकर भव्य स्वागत व सम्मान किया गया। अपने प्रेरणादायक संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को दृढ़ इच्छाशक्ति और निरंतर परिश्रम के महत्व को बताते हुए कहा कि 'कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास से हर लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।' उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य सुमन कुमारी ने उपस्थित अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। उन्होंने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों का प्रवेश राजकीय विद्यालयों में करवाएं, जहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होता है। पीईईओ सुमन कुमारी ने विद्यालय स्टाफ की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। वहीं विद्यार्थियों ने भी संकल्प लिया कि वे भविष्य में और बेहतर परिणाम देकर अपने विद्यालय और गांव का नाम और ऊंचा करेंगे। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे विजय उत्सव आगे भी निरंतर आयोजित किए जाएंगे, जिससे विद्यार्थियों का उत्साह और मनोबल बढ़ता रहे।

मौजास विद्यालय में पर्यावरण सरोकार: विद्यार्थियों ने पक्षियों के लिए लगाए परिंडे

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । भीषण गर्मी के बीच पक्षियों के संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मौजास में एक सराहनीय पहल की गई। विद्यालय संबलन कार्यक्रम के दौरान सीबीईओ पवन कुमार एवं आरपी उत्तम दाधीच के नेतृत्व में विद्यालय परिसर में पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए। प्रधानाचार्य सुशील कुमार ने बताया कि गर्मी के मौसम में जल की कमी से पक्षियों को काफी परेशानी होती है। ऐसे में विद्यार्थियों में संवेदनशीलता विकसित करने और उन्हें प्रकृति व जीव-जंतुओं के प्रति जिम्मेदारी का एहसास कराने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया।

इस दौरान विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, जल बचाव और जीवों के प्रति दया भाव रखने का संदेश भी दिया गया।कार्यक्रम में व्याख्याता शीशराम पिलानिया, जितेंद्र मील, सुनील कुमार, बनिता कुमारी, राकेश एचरा, जय चंद भड़िया, हितेंद्र मीणा, शारीरिक शिक्षक योगेंद्र दुलड़, संजीव जानू, राकेश कांटीवाल, वंदना, संगीता भड़िया तथा महावीर सिंह सहित विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने पर संयुक्त सचिव ने किया कटाक्ष

पंजाब की जनता के साथ गद्दारी, जनता समय आने पर देगी ज़बाब -सुखविंदर सिंह गिल

गद्दारी करने वाले गद्दार सांसदों को जनता दिखाएगी आईना- सुखविंदर सिंह गिल

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । आम आदमी पार्टी के हरियाणा प्रदेश संयुक्त सचिव सुखविंदर सिंह गिल ने आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में जाने वाले सात सांसदों पर तेज़ हमला करते हुए कहा कि ये गद्दार लोग हैं। इन्होंने पंजाब और देश की जनता के साथ गद्दारी की है। आम आदमी पार्टी के साथ गद्दारी की है। अरविंद केजरीवाल ने इन्हें जमीन से उठाकर आसमान का तारा बनाया उन्हें भी इन्होंने धोखा दिया उनसे भी गद्दारी की। देश की जनता विशेष कर पंजाब के लोग गद्दार लोगों को कभी नहीं भूलते। इसलिए इन सातों सांसदों को जनता सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि पहले भी जो-जो आम आदमी पार्टी छोड़कर गए हैं उन्होंने अपना राजनीतिक कैरियर खत्म कर लिया है। वे किसी को सपने में भी याद नहीं आते। आम आदमी पार्टी संघर्ष से निकली हुई पार्टी है। भाजपा जैसी पार्टियों के लोटस ऑपरेशन से मिटाने वाली नहीं है। आम आदमी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता भाजपा के जुल्म और लोटस ऑपरेशन के विरुद्ध डटकर लड़ेगा। और एक दिन देश में इस भाजपा रूपी राक्षस का नाश होगा। देश में शिक्षा और स्वास्थ्य की नई क्रांति आएगी और देश में आम लोग राज करेंगे।

विराट भजन संध्या आज

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

निकटवर्ती ग्राम नेहरों की ढाणी भानीपुरा स्थित कांकड वाले भेरुजी मंदिर में विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा। कमलेश ठेकेदार एवं सुभाष नेहरा ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर मंदिर को विशेष रूप से सजाया गया है। 26 अप्रैल रात्रि 9 बजे भेरुजी का दरबार सजाकर बाबूलाल चौधरी हीरालाल राणा देवीलाल चौधरी द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी।? मुकेश छैला द्वारा हैरत अंगेज करतब दिखाकर मनोरंजन करने के साथ सीमा चौधरी एवं बुलबुल मारवाड़ी के द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। दिन में प्रसाद वितरण कार्यक्रम होगा।

कांकड वाले भेरुजी मंदिर नेहरा की ढाणी में होगा आयोजन

डिग्रवाल बने स्काउट के जिला कोषाध्यक्ष, संगठन को मिलेगा मजबूती का संबल

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड के झुंझुनूं जिला मुख्यालय में संगठनात्मक गतिविधियों को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। वित्तीय कामकाज के प्रभावी संचालन के लिए सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी ओमप्रकाश डिग्रवाल को जिला कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति झुंझुनूं में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं स्काउट जिला मुख्य आयुक्त अशोक कुमार शर्मा द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए की गई है। आदेश के तहत स्काउट गाइड कार्यालय के वित्तीय प्रबंधन को और अधिक व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने का उद्देश्य रखा गया है। नव नियुक्त कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश डिग्रवाल के कार्यालय पहुंचने पर सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने उन्हें विधिवत पदभार ग्रहण करवाया। इस अवसर पर डिग्रवाल ने कहा कि स्काउट गाइड कार्यालय में ढांचागत विकास और व्यवस्थाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा, ताकि संगठन की गतिविधियों को और गति मिल सकें।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति स्काउट उमेश रोहिल्ला, सहायक लीडर ट्रेनर विजय गर्वा, अमरचंद, वरिष्ठ स्काउट मास्टर रामदेव सिंह गढ़वाल, सहायक सचिव रामकिशन सैनी, सुरेंद्र कुमार एवं रेंजर मनीषा सहित कई स्काउट-गाइड पदाधिकारी उपस्थित रहें। डिग्रवाल के जिला कोषाध्यक्ष बनने पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मुख्य आयुक्त अशोक कुमार शर्मा, जिला अध्यक्ष गंगाधर सिंह सुंडा, जिला उपाध्यक्ष विनोद सिंघानिया, सी.ओ. स्काउट महेश कालावत, जिला ट्रेनिंग कमिश्नर चिरंजीलाल शर्मा सहित विभिन्न पदाधिकारियों एवं स्काउट-गाइड सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस नियुक्ति से स्काउट संगठन के वित्तीय कार्यों में पारदर्शिता आने के साथ-साथ गतिविधियों को भी नया संबल मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

10 मई को फतेहपुर में सरपंच के लिए होने वाले उपचुनाव के पांच प्रत्याशियों ने नामांकन भरा

पूर्व सरपंच संतोष देवी की पुत्रवधू सीमा ने भी भरा नामांकन,फतेहपुर गांव के 1247 मतदाता,

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अटेली खंड के गांव फतेहपुर-फतनी में 10 मई को होने वाले उपचुनाव के लिए कुल पांच नामांकन जमा हो गये। गांव में सरपंच पद महिला के लिए आरक्षित है, शनिवार को नामांकन जमा करवाने का अंतिम दिन बिमला नामक महिला ने फार्म भरा। पूर्व सरपंच संतोष देवी की पुत्रवधू सीमा द्वारा अपना नामांकन भरने के बाद अब मुकाबले में दिलचस्पी हो गई है हालांकि अभी फार्म की जांच की जाएगी तथा नामांकन निकालने का 28 अप्रैल को अंतिम दिन है। बता दें कि पंचायत के आम चुनावों में मोनिका गांव की सरपंच निर्वाचित हुई थी लेकिन शिक्षिका की नौकरी मिलने पर सरपंच के पद से त्यागपत्र दे कर अध्यापिका का पेशा चुन लिया था। गांव में नई मतदाता सूची के अनुसार 1247 वोट है जिसमें 646 पुरुष तथा 601 महिला मतदाता है। 21 से 25 अप्रैल तक सरपंच के नामांकन भरे जाने की प्रक्रिया चली है। 27 अप्रैल को नामों की स्क्रूटनिंग होगी तथा तक नाम वापिस ले सकते उसके बाद उसी दिन चुनाव चिन्ह भी अलाट कर दिये जाएंगे। उसके बाद 10 मई रविवार को सुबह आठ बजे से छः बजे तक मतदान होगा। रिटर्निंग अधिकारी भागेंद्र सिंह ने बताया कि कुल पांच नामांकन जमा हुए है जिनमे सुमन पत्नी सुरेंद्र, अंजना पत्नी संदीप कुमार, सीमा यादव पत्नी दीपक,बिमला व पूजा शर्मा पत्नी वेद प्रकाश शामिल है।

पिलानी: विधायक पितराम सिंह काला के आवास पर पहुँचे सूरतगढ़ विधायक डूंगरराम गैदर, हुआ भव्य स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

सूरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक डूंगरराम गैदर शनिवार को पिलानी प्रवास पर रहे। चिड़ावा में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में सम्मिलित होने आए गैदर ने पिलानी पहुँचकर स्थानीय विधायक पितराम सिंह काला के आवास पर शिष्टाचार भेंट की। विधायक आवास पर पहुँचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं ने उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस दौरान अनिल जांगिड़, ओबीसी प्रकोष्ठ के पिलानी ब्लॉक अध्यक्ष रामनिवास जांगिड़ और वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेंद्र शर्मा ने डूंगरराम गैदर को पारंपरिक साफा पहनाकर एवं माला भेंट कर उनका अभिनंदन किया। मुलाकात के दौरान क्षेत्र के विकास कार्यों और आगामी राजनीतिक गतिविधियों पर अनौपचारिक चर्चा हुई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिन्होंने सूरतगढ़ विधायक का गर्मजोशी से स्वागत किया।

बगड़िया बाल विद्या निकेतन में सांवर शर्मा की 13वीं पुण्यतिथि श्रद्धा पूर्वक मनाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

बगड़िया बाल विद्या निकेतन के प्रणेता समाजसेवी शिक्षाविद सांवर शर्मा भाईसाहब की 13वीं पुण्यतिथि निकेतन प्रांगण में शनिवार को श्रद्धा पूर्वक मनाई गई इस अवसर पर श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निकेतन सचिव सचिव पवन गोयनका, प्राचार्य विपिन शर्मा, बगड़िया बी एड महाविद्यालय प्राचार्य डॉ नरेश दाधीच, पूर्व ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रामनिवास शर्मा, पूर्व राजकीय शिक्षक बलवीर आंतरोली, समाज सेवी अब्दुल हकीम, व्यवसायी ललित भूत, अनिल मिश्रा, कमल तिवारी, शशांक जोशी, मुकेश कुमावत-पत्रकार सहित उपस्थित जनों ने भाईसाहब की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलित कर पुष्पांजलि अर्पित कीव उनके आदर्श जीवनी से जुड़े अनुभवों को नई पीढ़ी के साथ साझा कर उनकी जीवन शैली का अनुकरण करने की अपील की। संचालन अदिति बजाज ने किया।

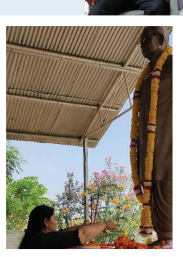

छात्रों की समस्याओं को राज्यपाल के समक्ष रखने जा रहें छात्र नेता सुमित बराड़ को लिया हिरासत में

भीम प्रज्ञा न्यूज.भिवानी।

विश्वविद्यालय परिसर में शनिवार को उस समय हड़क़ंप मच गया, जब सुरक्षा एजेंसियों ने छात्र नेता सुमित बराड़ को वीआईपी मूवमेंट से ठीक पहले अपनी हिरासत में ले लिया। यह कार्रवाई तब हुई जब भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम घोष और शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शिरकत करने पहुंचे थे। बता दे कि छात्र नेता सुमित बराड़ ने पहले ही यह ऐलान किया था कि वे इस दीक्षांत समारोह में मुख्य न्यायाधीश और राज्यपाल के सामने विश्वविद्यालय की बदहाली और छात्रों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाएंगे। सुमित का कहना था कि प्रशासन उनकी मांगों को अनसुना कर रहा है, इसलिए वे इस मंच का उपयोग सीधे संवैधानिक पदों पर

बैठे व्यक्तियों तक अपनी बात पहुंचाने के लिए करेंगे। इस घटना के पीछे की चिंगारी हाल ही में वायरल हुए एक वीडियो से जुड़ी है। वीडियो में सुमित बराड़ शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा को विश्वविद्यालय की समस्याओं के बारे में धाराप्रवाह अंग्रेजी में जानकारी दे रहे थे। जहां सुमित अपनी बात गंभीरता से रख रहे थे, वहीं शिक्षा मंत्री का केवल ठीक है, ठीक है कहकर आगे बढ़ जाना छात्रों के बीच चर्चा का विषय बन गया। छात्रों का आरोप है कि मंत्री ने समस्याओं को सुनने के बजाय उसे टालने की कोशिश की। सुमित बराड़ का कहना है कि ब शिक्षा मंत्री हमारी बात सुनने को तैयार नहीं हैं, तो हमें न्याय के सबसे बड़े मंदिर और प्रदेश के मुखिया के पास जाना ही होगा। जिसके बाद शनिवार को जैसे ही दीक्षांत समारोह शुरू होने वाला था, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने सुमित को कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने से पहले ही रोक लिया तथा हिरासत में ले लिया तथा कार्यक्रम संपन्न होने के बाद उन्हे छोड़ दिया। सुरक्षा कारणों और प्रोटोकॉल का हवाला देते हुए कहा गया कि किसी भी अप्रिय घटना या व्यवधान को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया। वही पुलिस की इस कार्रवाई को छात्र नेता सुमित बराड़ ने लोकतंत्र की हत्या और आवाज दबाने की कोशिश है।

महाविद्यालय की बेटियों ने रचा इतिहास, विश्वविद्यालय मेरिट सूची में पाया प्रथम व द्वितीय स्थान

भीम प्रज्ञा न्यूज.कनीना।

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर (रेवाड़ी) की ओर से आयोजित कला स्नातक (बीए) प्रथम वर्ष की वार्षिक परीक्षा में राजकीय कन्या महाविद्यालय उन्हाणी की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर एक बार फिर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। महाविद्यालय की मेधावी छात्रा आरजू ने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगन के बल पर विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि प्रतिभाशाली छात्रा सोनिया ने द्वितीय स्थान हासिल कर शानदार सफलता अर्जित की। यह उपलब्धि न केवल छात्राओं के लिए बल्कि पूरे महाविद्यालय, अभिभावकों एवं क्षेत्र के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के उपलक्ष्य में महाविद्यालय परिसर में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दोनों छात्राओं को उनके अभिभावकों के साथ मंच पर आमंत्रित कर स्मृति-चिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर विक्रम सिंह ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि स्टाफ का कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प और अनुशासन की बदौलत इस महाविद्यालय की छात्राओं ने मात्र 8 वर्षों में चार बार इन्दिरा गांधी विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है और तीनों संकायों की मेरिट सूची में इस महाविद्यालय की छात्राएं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो और सही मार्गदर्शन हो तो कोई भी ऊंचाई हासिल की जा सकती है। उन्होंने कहा कि ये दोनों छात्राएं ग्रामीण अंचल के सरकारी स्कूलों से शिक्षा ग्रहण करके इस महाविद्यालय में अध्ययन कर इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल की है जो अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों ने भी छात्राओं की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि यह परिणाम महाविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुशासित वातावरण का प्रमाण है। अभिभावकों ने भी अपनी बेटियों की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए महाविद्यालय के शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। दोनों छात्राओं ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों को दिया। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ, विद्यार्थियों ने आरजू और सोनिया को उनकी इस अभूतपूर्व सफलता पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

यादव महासभा अटेली क्षेत्र में यादव धर्मशाला के निर्माण हेतु जमीन तलाश करेगी

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । यादव महासभा अटेली की शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय में प्रधान व नपा के पूर्व चेयरमैन विकास यादव की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में यादव धर्मशाला बनाने के लिए उपयुक्त जमीन तलाशने के लिए कमेटी का गठन के अलावा दो अन्य समिति भी गठित की गई। महासभा के जनरल सेक्रेटरी व सहायक कमांडेंट सतीश कुमार ने महासभा में उठे मसलों को कलम बंद किया। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री के पीए विकास यादव व मार्केट कमेटी कनीना के चेयरमैन जेपी कोटिया विशेष रूप से मौजूद रहें। महासभा के जनरल सेक्रेट्री व सहायक कमांडेंट सतीश कुमार ने बताया कि अटेली क्षेत्र में कोई भी सार्वजनिक बड़ी धर्मशाला नहीं होने पर लोगों को निजी समारोह स्थलों पर निर्भर रहना पड़ता है। इससे लोगों को आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। अटेली क्षेत्र में यादव धर्मशाला बनाने का उद्देश्य महेंद्रगढ़, नारनौल, रेवाड़ी की तर्ज पर एक बड़ा भवन बना कर क्षेत्र के लोगों को एक सुविधा प्रदान करना है। यादव

धर्मशाला केवल एक जाति बिरादरी की न हो कर सर्व समाज के लोगों की होगी। उन्होंने कहा कि अटेली क्षेत्र यादव बाहुल्य होने के कारण यादव समाज के लोगों ने एक पहल की है। जिसे पूरा करने के के क्षेत्र के सर्व समाज के लोगों से सहयोग की अपेक्षा है। आज की हुई बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि महासभा की बैठक हर माह के अंतिम शनिवार को आयोजित होगी तथा जो दो अन्य समितियां बनी है वे गांव-गांव जा कर लोगों से संपर्क स्थापित कर सहयोग हेतु निवेदन करेगी। बैठक में उप प्रधान व ढ़ाणा के सरपंच राधेश्याम, खजांची व ककराला के पूर्व सरपंच कृष्ण सिंह, तिगरा के पूर्व सरपंच धर्मेंद्र, सह सचिव प्रकाश दौंगड़ा, सुजापुर सरपंच प्रतिनिधि सतबीर, कृष्ण राजपुरा, कैप्टन भरपूर सिंह कनीना, सत्तू सरपंच खेड़ी, शिशपाल पाला सरपंच, रणबीर सरपंच बेगुपर, सुशील ढ़ाणा सहित अनेक महासभा के अनेक सदस्य मौजूद रहें।

ब्लॉक स्तरीय एचपीवी वैक्सीनेशन विशेष अभियान का मंडावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हुआ शुरू

वैक्सीनेशन के लिए मौजास, कुहाडू ओर डीआरडी स्कूलों की 16 छात्राओं को लगे टीके

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । भारत सरकार एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान के तत्वावधानओर के 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं के लिए एचपीवी वैक्सीनेशन को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान को लेकर शुक्रवार को मंडावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ब्लॉक स्तरीय एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान की शुरुआत की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ सी एच सी प्रभारी डॉ विनोद कुमार डॉ विजेंद्र सिंह ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्राएं वैक्सीनेशन के लिए पहुंचीं और परिसर में खासा उत्साह देखने को मिला। डॉ विजेंद्र सिंह ने बताया कि एचपीवी वैक्सीन बालिकाओं को गंभीर

बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक छात्राओं को जागरूक कर सुरक्षित करना है। अभियान की शुरुआत में तीन राजकीय स्कूल की 16 छात्राओं का सफलतापूर्वक वैक्सीनेशन किया गया। वैक्सीनेशन कार्यक्रम में डॉ. विनोद कुमार, डॉ. विजेन्द्र सिंह सहित अन्य चिकित्सकों की टीम और नर्सिंग स्टाफ मौजूद रहा। इस दौरान विभिन्न स्कूलों की अध्यापिकाएं भी छात्राओं को लेकर अस्पताल पहुंचीं, जिससे वैक्सीनेशन को लेकर जागरूकता और भागीदारी साफ तौर पर नजर आई। स्वास्थ्य विभाग ने आने वाले दिनों में इस अभियान को और व्यापक स्तर पर चलाने की बात कही है। डॉ विजेंद्र सिंह ने बताया कि एचपीवी टीका लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर में बचाव करता है। सिंगल डोज से आजीवन बचाव होने की भी बात कहते हुए कहा कि बाजार में यह वेक्सीन करीब 5 हजार रुपए से अधिक की है। राज्य सरकार द्वारा सरकारी अस्पताल में विशेष अभियान चलाकर ये टीका निःशुल्क लगाया जा रहा है। डॉ विनोद कुमार ने अपिल करते हुए कहा कि 14 से 15 वर्ष की लड़कियां अस्पताल परिसर में आकर सुबह 8 बजे से 2 बजे तक यह टीका लगा सकतीं हैं। इस टीके का कोई साईट इफेक्ट नहीं होता है। अभियान 24 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलेगा जिसमें मंडावा ब्लॉक की 14 वर्ष से 15 वर्ष तक की सभी किशोरियों का शत-प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया है।

टोहाना में स्व-गणना प्रक्रिया में बढ़ी भागीदारी, 30 अप्रैल तक कर सकते हैं ऑनलाइन पंजीकरण

इंचार्ज नायब तहसीलदार अनिल गौतम टोहाना में हुए पूरी तरह से सक्रिय

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

विजय रंगा(ब्यूरो चीफ) । टोहाना उप मंडल में स्व-गणना प्रक्रिया को लेकर आमजन में उत्साह देखने को मिल रहा है। नागरिक बड़ी संख्या में इस डिजिटल पहल से जुड़ते हुए अपनी जनगणना संबंधी जानकारी स्वयं ऑनलाइन दर्ज कर रहे हैं। टोहाना के स्व-गणना इंचार्ज टोहाना के नायब तहसीलदार अनिल गौतम ने बताया कि यह प्रक्रिया 30 अप्रैल 2026 तक जारी रहेगी, जिसके तहत नागरिक आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से घर बैठे अपनी जानकारी भर सकते हैं। टोहाना के स्व -गणना इंचार्ज नायब तहसीलदार अनिल गौतम ने आगे बताया कि स्व-गणना के बाद 1 मई से 30 मई 2026 तक उपमंडल टोहाना में घर-घर जाकर मकान सूचीकरण और सत्यापन का कार्य किया जाएगा। इस दौरान गणनाकर्मी नागरिकों द्वारा दी

इंचार्ज नायब तहसीलदार अनिल गौतम ने सभी सुपरवाइजरों व आमीनेटरों को नियुक्ति पत्र व परिचय पत्र आवंटित किए

गई जानकारी का मिलान करेंगे। डिजिटल माध्यम से आसान प्रक्रिया इंचार्ज अनिल गौतम ने कहा कि स्व-गणना की सुविधा मोबाइल, टैबलेट या कंप्यूटर के जरिए कहीं से भी उपयोग की जा सकती है। नागरिकों को मोबाइल नंबर और ओटीपी के माध्यम से लॉगिन करना होगा। इसके बाद डिजिटल मानचित्र पर अपने घर का स्थान चिन्हित कर परिवार के सदस्यों, आवास की स्थिति और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी भरनी होगी। प्रक्रिया पूरी होने पर एक यूनिक आईडी जारी की जाएगी, जिसका उपयोग सत्यापन के दौरान किया जाएगा। इंचार्ज नायब तहसीलदार अनिल गौतम ने बताया कि टोहाना उपमंडल की स्व-गणना के लिए सुपरवाइजर व आमीनेटर की नियुक्ति कर उन्हें नियुक्ति पत्र व परिचय पत्र जारी कर दिये ताकि स्व -गणना का काम अच्छे तरीके से संपन्न हो सकें।

विश्व मलेरिया दिवस पर स्वास्थ्य विभाग ने बच्चों को मलेरिया के बारे में किया जागरूक

जिला में अभी तक कोई भी मलेरिया संक्रमित मरीज नहीं

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

सिविल सर्जन डॉ अशोक कुमार के निर्देशानुसार व उप सिविल सर्जन डॉ मनीष यादव के मार्गदर्शन में आज नारनौल शहर के मौहल्ला फ्रांसखान में रोज विला हाई स्कूल में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा विश्व मलेरिया दिवस मनाया। इस अवसर पर बच्चो को पैंपलेट, भाषण व पोस्टर मेकिंग के माध्यम से मलेरिया के प्रति जागरूक किया। सिविल सर्जन डॉक्टर अशोक कुमार ने बताया कि हमारे जिले में इस वर्ष अभी तक कोई भी मलेरिया संक्रमित मरीज नहीं आया है जबकि 2025 में 02, 2024 में 05, 2023 में 03 और 2022 में भी 03 मलेरिया संक्रमित केस मिले थे उन्होंने बताया कि मलेरिया के उपचार और रोकथाम के लिए विभाग पूरी तरह सजग है। सभी सरकारी स्वास्थ संस्थाओं में मलेरिया की जांच और उपचार निशुल्क उपलब्ध है। उन्होंने शहरी और ग्रामीण जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ पंचायतों और शहरी निकाय विभाग से अपील करते हुए कहा कि उपरोक्त सभी अपने अपने एरिया में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें और कही भी पानी खड़ा ना होने दें। साथ ही जहां जरूरत हो वहां फॉगिंग भी करवाएं। ग्रामीण एरिया में फॉगिंग का जिम्मा पंचायत विभाग का और शहरी एरिया में शहरी निकाय विभाग का है। उन्होंने बताया कि इस बारे जिला पंचायत विकास अधिकारी और डीएमसी नारनौल को पत्र भी लिखा जा चुका है। उप सिविल सर्जन डॉ मनीष यादव ने बताया कि कोई भी बुखार मलेरिया हो सकता है। बुखार आने पर तुरन्त रक्त की जांच करवाए और ईलाज लें। बार बार बुखार आना, कंपन होना, सिर दर्द और उल्टी होना मलेरिया के लक्षण हो सकते हैं।

डॉ यादव ने बताया कि अभी तक जिले में 149 टीमें घर घर जा कर 32084 बुखार के मरीजों की जांच की है। 40 घरों में लारवा पाया गया है जिनको नोटिस दिया गया है। साथ ही जिले के पानी के जोहड़ों, तालाबों आदि में गुंबुजिया मछली भी डलवाई जा रही है ताकि मलेरिया के लारवा को रोका जा सके। मलेरिया से बचने के लिए उन्होंने लोगो से अपील करते हुए कहा कि हमें अपने आसपास पानी इकट्ठा नहीं होने देना चाहिए। पूरी बाजू के कपड़े पहनने चाहिए। घर के दरवाजों और खिड़कियों पर जाली लगवानी चाहिए और मच्छरदानी और मच्छरनाशकों का प्रयोग करना चाहिए। इसके साथ साथ उन्होंने आमजन से रविवार को ड्राई डे के रूप में मनाने की अपील करते हुए कहा कि सप्ताह के प्रत्येक रविवार को पानी के सभी बर्तनों जैसे कूलर, टंकी आदि को साफ करके सुखाकर दुबारा भरना चाहिए ताकि मच्छर ना पैदा हो सके। इस अवसर पर स्कूल संचालिका अनीता मराठा, नरेश कुमार, सोनिया, ज्योति, मुकेश कुमार, सतीश कुमार, मनोज कुमार, अजय कुमार, महेश कुमार, संजय कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग व स्कूल के कर्मचारी और बच्चे मौजूद थें।

नीमराना के मोलडिया में अवैध कबाड़ गोदाम में लगी भीषण आग

धमाकों के साथ 4 मजदूर जिंदा जले; 2 लापता, प्रशासन की लापरवाही पर उठे सवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना औद्योगिक क्षेत्र के बिचपुरी रोड स्थित गांव मोलडिया में शुक्रवार शाम एक अवैध कबाड़ गोदाम में लगी भीषण आग ने भयावह रूप ले लिया। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया और कई धमाकों से आसपास का इलाका दहल उठा। इस दर्दनाक हादसे में 2 बच्चियों सहित 4 मजदूर जिंदा जल गए, जबकि 2 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। एक महिला गंभीर रूप से घायल हुई है, जिसका अस्पताल में उपचार जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के समय गोदाम में मजदूर परफ्यूम की शीशियां तोड़ने का काम कर रहे थे। इसी दौरान ज्वलनशील केमिकल के संपर्क में आने से आग भड़क गई। गोदाम में रखे केमिकल ड्रम और कबाड़ सामग्री के कारण लगातार धमाके होते रहे, जिससे मजदूरों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई दिया, जिससे क्षेत्र में दहशत फैल गई। 4 घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू, देर रात मिले शव सूचना मिलते ही दमकल की आधा दर्जन से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब 4 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया

गया। कोटपूतली-बहरोड़ जिला कलेक्टर अर्पणा गुप्ता, एसपी सत्यवीर सिंह, नीमराना एसडीएम महेंद्र यादव, तहसीलदार विक्रम सिंह, एडिशनल एसपी सुरेश खींची, डीएसपी चारुल गुप्ता, नीमराना थाना प्रभारी राजेश मीणा, शाहजहांपुर थाना प्रभारी प्रक्रिता चौधरी व जापानी जोन चौकी प्रभारी मनोहर लाल मीणा सहित पुलिस-प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। राहत- बचाव कार्य देर रात तक जारी रहा। देर रात जले हुए 4 शव बरामद किए गए, जिन्हें डीएनए टेस्ट के लिए बहरोड़ अस्पताल भेजा गया है। कृषि भूमि पर चल रहा था अवैध गोदाम प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह गोदाम कृषि भूमि पर अवैध रूप से संचालित किया जा रहा था। यहां भारी मात्रा में ज्वलनशील और केमिकल युक्त कबाड़ रखा हुआ था, जिससे हादसा और भी भयावह हो गया। एसपी सत्यवीर सिंह ने बताया कि चार लोगों की मौत हुई है। आग के कारणों और मृतकों की पहचान की जांच की जा रही है। गोदाम में काम करने वाले अन्य मजदूरों से पूछताछ कर पता लगाया जा रहा है कि हादसे के वक्त कौन-कौन मौजूद था। आग पर काबू पाने के बाद एहतियातन आसपास के इलाके को खाली कराया गया। प्रशासन की शिथिलता पर सवाल, पहले भी हो चुके हादसे नीमराना क्षेत्र में हाईवे किनारे और औद्योगिक क्षेत्र में सैकड़ों की संख्या में अवैध कबाड़ गोदाम संचालित हो रहे हैं। प्रशासन की शिथिलता के कारण इन पर कोई कार्रवाई नहीं होती। 29 मार्च को बहरोड़ के गुंती, 23-24 मार्च को घीलौट, 4 फरवरी और 3 जनवरी को नेशनल हाईवे पर केमिकल से भरे टैंकर में भीषण आगजनी की घटनाएं हो चुकी हैं। प्रशासन की कार्रवाई केवल हादसे के दौरान तक सीमित रह जाती है। कृषि भूमि पर बने इन अवैध गोदामों पर प्रशासन का कोई लगाम नहीं है, जिससे आए दिन बड़े हादसे हो रहे हैं। इस हादसे ने एक बार फिर औद्योगिक क्षेत्र में अवैध गोदामों और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नेपाल अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष कौशल किशोरकांत अग्रवाल चिड़ावा आए

प्रवासी अग्रवालों को संगठित करने पर हुई सकारात्मक चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

नेपाल और भारत के अग्रवाल समाज के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल झुंझुनूं जिले के चिड़ावा में देखने को मिली। नेपाल अग्रवाल महासभा एवं नेपाल हिंदू युवा वाहिनी के अध्यक्ष कौशल किशोरकांत अग्रवाल अपने शेखावाटी दौरे के दौरान चिड़ावा पहुंचे। जहां उनका स्वागत सामाजिक और धार्मिक माहौल में हुआ। इस दौरान उन्होंने पूर्वी राजस्थान अग्रवाल सम्मेलन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष झंडीप्रसाद हिम्मतरामका से मुलाकात कर समाजहित के विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। दोनों नेताओं ने नेपाल और भारत में बसे अग्रवाल समाज के बीच आपसी समन्वय, व्यापारिक सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने पर जोर दिया। कौशल किशोरकांत अग्रवाल ने हिम्मतरामका द्वारा संचालित गौशाला में पहुंचकर गौसेवा की और गौमाता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि गाय केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से भी मानव जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने

गौपालन से जुड़े आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य लाभों का भी उल्लेख किया। इस मौके पर कौशल किशोरकांत अग्रवाल ने झंडीप्रसाद हिम्मतरामका का नेपाली शॉल और रुद्राक्ष भेंट कर सम्मान किया। वहीं हिम्मतरामका ने भी अतिथियों का दुपट्टा ओढ़ाकर एवं बावलिया बाबा की प्रतिमा भेंट कर अभिनंदन किया। बैठक के दौरान अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपालशरण गर्ग के नेतृत्व में देशभर में हो रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की गई। साथ ही नेपाल में प्रवासी भारतीय अग्रवालों को संगठित करने और दोनों देशों के समाज को एक मंच पर लाने के प्रयासों पर भी चर्चा हुई। दौरे के दौरान कौशल किशोरकांत अग्रवाल ने अपनी पत्नी पदुमावती अग्रवाल के साथ शेखावाटी के लोकदेवता पं. गणेशनारायण बावलिया बाबा के समाधि स्थल पर पहुंचकर दर्शन किए और क्षेत्र की समृद्ध परंपराओं के प्रति आस्था व्यक्त की। गौरतलब है कि कौशल किशोरकांत अग्रवाल नेपाल के प्रमुख उद्योगपतियों में शामिल हैं और सामाजिक संगठनों के माध्यम से नेपाल व भारत के अग्रवाल समाज को जोड़ने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उनका यह दौरा दोनों देशों के बीच सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रिश्तों को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कौशल किशोरकांत अग्रवाल, ना केवल नेपाल अग्रवाल महासभा तथा नेपाल हिंदू युवा वाहिनी के अध्यक्ष है। बल्कि लुंबिनी नेपाल के श्वेतांबर जैन समाज तथा महाराष्ट्र सरकार के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय उद्योग नेपाल भारत के नेपाल जोन के अध्यक्ष भी है। पूर्व में वे दिल्ली में अखिल भारतीय युवा वैश्य फैडरेशन के अध्यक्ष और गोरखपुर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सचिव भी रह चुके है।

27 अप्रैल को जिलेभर की खाद-बीज दुकानें रहेंगी बंद, व्यापारियों की सांकेतिक हड़ताल

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जिलेभर में 27 अप्रैल को खाद और बीज की दुकानें बंद रहेंगी। झुंझुनूं कृषि आदान समिति के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह राव ने बताया कि राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर राजस्थान के सभी जिलों में खाद-बीज व्यापारी एक दिन की सांकेतिक हड़ताल पर रहेंगे। उन्होंने बताया कि व्यापारी विभिन्न मांगों को लेकर यह विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जिनमें खाद पर जबरन लिंकिंग पर पूर्ण प्रतिबंध, कंपनियों द्वारा डीलर के बिक्री केंद्र तक खाद की डिलीवरी सुनिश्चित करना, बढ़ती महंगाई को देखते हुए डीलर मार्जिन कम से कम 8' करना, साथी पोर्टल में ग्रामीण खुदरा विक्रेताओं को राहत देना, अवैध बीजों की बिक्री पर रोक, विक्रेताओं को साक्षी का दर्जा देना, एक्सपायर कीटनाशकों के लिए नीति बनाना, नए बीज अधिनियम और कीटनाशक विधेयक 2025 में संशोधन, किसानों की शिकायतों के लिए जिला जांच समिति का गठन, लाइसेंस निलंबन के बाद 21 दिन में बहाली, हर साल ओ-फॉर्म जोड़ने की अनिवार्यता समाप्त करना और दोहरी लाइसेंस प्रथा बंद करना शामिल हैं। इस हड़ताल के चलते किसानों को एक दिन तक खाद-बीज की खरीद में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंघाना में 'श्री विनायक नाश्ता पैलेस' का भव्य शुभारंभ, पारंपरिक स्वाद और शुद्धता होगी पहचान

सिलबट्टे की चटनी और देशी व्यंजनों के साथ मिलेगा घर जैसा स्वाद, डी.पी. सैनी ने किया उद्घाटन

भीम प्रजा न्यूज़.सिंघाना।

नगरपालिका क्षेत्र के नारनौल रोड स्थित भोदन पुल के पास शुक्रवार को 'श्री विनायक नाश्ता पैलेस' का भव्य शुभारंभ उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। युवा सामाजिक कार्यकर्ता डी.पी. सैनी ने फीता काटकर प्रतिष्ठान का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में शिक्षाविद कृष्ण यादव (निदेशक, विश्व भारती शिक्षक समूह) एवं राकेश गुर्जरवास मौजूद रहें।उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। इनमें तूफान मीणा, राकू सरपंच, बबली, रामप्रसाद, राकेश सैनी, दिनेश, कपिल डांगी, सुरेश मास्टर, महेश सैनी, श्याम सुंदर, बंशीधर, मनजीत, नरेश, कृष्ण कुमार, छोटू, बृजमोहन, अनिल यादव, लीलाधर, राजू गराटी, ओमप्रकाश सैनी, डॉ. सुरेंद्र और जितेंद्र सैनी सहित अनेक लोग शामिल हुए।

सभी ने नए प्रतिष्ठान के लिए संचालक को शुभकामनाएं दीं।

प्रतिष्ठान के संचालक पिंटू सैनी ने बताया कि 'श्री विनायक नाश्ता पैलेस' में ग्राहकों को शुद्ध और पारंपरिक खान-पान उपलब्ध कराया जाएगा। यहां देशी घी से बने आलू, पनीर और मिक्स वेज परांठे प्रमुख आकर्षण होंगे। इसके साथ ही घाट की राबड़ी, ठंडी लस्सी, कैरी का पानी और जल-जीरा जैसे पारंपरिक पेय पदार्थ भी परोसे जाएंगे। उन्होंने बताया कि विशेष रूप से सिलबट्टे पर बनी लहसुन और हरी चटनी इस नाश्ता पैलेस की पहचान बनेगी, जो ग्राहकों को घर जैसा स्वाद और अपनापन महसूस कराएगी। उद्घाटन अवसर पर अतिथियों और आगंतुकों ने व्यंजनों का स्वाद लेकर उनकी गुणवत्ता की सराहना की। यह नया प्रतिष्ठान न केवल स्वाद के शौकीनों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा, बल्कि पारंपरिक खान-पान को बढ़ावा देने की दिशा में भी एक सराहनीय पहल माना जा रहा है।

फतेहाबाद पुलिस की बड़ी कार्यवाही: बस अड्डे के पास से 10 किलो से अधिक डोडा पोस्त सहित पंजाब का तस्कर काबू

सीआईए फतेहाबाद ने नए बस अड्डे के पास चाय के खोखे से आरोपी को दबोचा

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अपराध जांच शाखा (सीआईए) फतेहाबाद को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने नए बस अड्डे के पास नाकाबंदी कर पंजाब के एक तस्कर को भारी मात्रा में डोडा पोस्त सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सोनी सिंह पुत्र पाला सिंह, निवासी गांव जोधपुर रोमाना, जिला बठिंडा पंजाब के रूप में हुई है। सीआईए फतेहाबाद प्रभारी उप निरिक्षक वेदपाल ने जानकारी देते हुए बताया की पुलिस टीम मताना मोड़ पर गश्त के दौरान मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी, डोडा पोस्त की एक बड़ी खेप लेकर नए बस अड्डे के पास बस के इंतजार में खड़ा है और इसे पंजाब ले जाने की फिराक में है। सूचना विश्वसनीय होने पर पुलिस टीम ने तुरंत बस अड्डे के बाहर बने चाय के खोखे के पास दबिश देकर आरोपी को काबू कर लिया वा नियमानुसार तलाशी लेने पर आरोपी के पास मौजूद सफेद प्लास्टिक कट्टे से 10 किलो 120 ग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ। मामले में आरोपी के खिलाफ थाना शहर फतेहाबाद में एनडू एक्ट की धारा 15B, 61, 85 के तहत मुकदमा 178/2026 दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी से मामले में गहन पुछताछ कर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जा रही है।

फतेहाबाद के रतिया थाना शहर पुलिस की कार्यवाही थाना क्षेत्र सघन तलाशी अभियान चलाया गया

डॉग स्क्वॉड, कमांडो टीम व स्थानीय पुलिस ने मिलकर की व्यापक चेकिंग

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/रतिया।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद के थाना शहर रतिया क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा विशेष सघन तलाशी अभियान चलाया गया। यह अभियान थाना शहर रतिया प्रभारी निरीक्षक पुष्पा के कुशल नेतृत्व में डॉग स्क्वॉड टीम, कमांडो टीम तथा स्थानीय पुलिस के संयुक्त सहयोग से संचालित किया गया।थाना प्रभारी निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि अभियान के दौरान थाना क्षेत्र के संवेदनशील स्थानों व सार्वजनिक स्थानों पर विशेष नजर रखते हुए गहन चेकिंग की गई। डॉग स्क्वॉड टीम की सहायता से संदिग्ध वस्तुओं एवं स्थानों की बारीकी से तलाशी ली गई, जबकि कमांडो टीम द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की गई। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई तथा दोपहिया और चारपहिया वाहनों की भी सघन जांच की गई। पुलिस टीम द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई भी अमल में लाई गई। इसके साथ ही आमजन से संवाद स्थापित कर उन्हें जागरूक किया गया कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति के बारे में तुरंत पुलिस को सूचना दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सकें। पुलिस का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना, आमजन में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना तथा असामाजिक तत्वों में भय उत्पन्न करना है। पुलिस द्वारा यह अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रखा जाएगा।

टोहाना में गौशाला चारा अनुदान वितरण समारोह, 10 गौशालाओं को 1.35 करोड़ रुपये की सहायता

सरकार और समाज के संयुक्त प्रयास से मजबूत होगा गौ-संवर्धन : केबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । ज्योतिपुंज गौशाला में शनिवार को आयोजित भव्य गौशाला चारा अनुदान वितरण समारोह में हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने टोहाना क्षेत्र की 10 गौशालाओं को कुल 1 करोड़ 35 लाख रुपये के अनुदान चेक वितरित किए। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला और पूर्व कैबिनेट मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की।

सरकार और समाज मिलकर कर रहे गौ-संवर्धन : रणबीर गंगवा

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि गौ-संवर्धन करना सरकार और समाज का दायित्व है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गौ सेवा आयोग के माध्यम से गौशालाओं और नंदीशालाओं को निरंतर आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है और इसके बजट में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने गौ सेवा आयोग के बजट में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिससे गौशालाओं को नियमित और पर्याप्त आर्थिक सहायता मिल रही है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि गौशालाओं में आधुनिक सुविधाएं विकसित करने, चारे की बेहतर व्यवस्था, पशु चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने और आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।रणबीर गंगवा ने कहा कि गौमूत्र और गोबर से जैविक खाद, कीटनाशक, ऊर्जा और औषधि निर्माण जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। सरकार इन उत्पादों के प्रोत्साहन के लिए योजनाएं चला रही है, जिससे गौशालाएं आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें और ग्रामीण युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलें।उन्होंने समाज के लोगों से आह्वान किया कि वे गौ सेवा को केवल धार्मिक कर्तव्य न समझें, बल्कि इसे सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाएं और गौशालाओं के संचालन में सक्रिय सहयोग दें।उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौ माता का विशेष स्थान है और इसके संरक्षण के लिए सरकार पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है। साथ ही उन्होंने बताया कि गौमूत्र और गोबर से विभिन्न उपयोगी उत्पादों एवं औषधियों के निर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे गौशालाएं आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ सकें।

गौ संरक्षण कानून से मिली मजबूती: सुभाष बराला

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि हरियाणा में गौ संरक्षण को लेकर ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने बताया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में पहली बार प्रदेश में सख्त गौ संरक्षण कानून लागू किया गया था, जिससे गोहत्या और अवैध तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगा है। अब प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लगातार गोवंश के संरक्षण के लिए कृतसंकल्प हैं। उन्होंने गौरक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण टोहाना जैसे इलाकों में उनकी भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से आह्वान किया कि वे गौ पालन और सेवा को अपनी जिम्मेदारी समझें और इस पवित्र कार्य में भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गाय को माता का दर्जा दिया गया है और यह परंपरा केवल आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक और सामाजिक आधार भी हैं। घर में पहली रोटी गाय के लिए निकालने की परंपरा समाज में करुणा, सेवा और सहअस्तित्व की भावना को मजबूत करती है। उन्होंने सभी वर्गों से अपील की कि वे गौ पालन और संरक्षण में आगे आएं, गौशालाओं को सहयोग दें और इस पवित्र कार्य को एक जनभागीदारी अभियान के रूप में आगे बढ़ाएं।

गौ सेवा में समाज की भागीदारी जरूरी : देवेंद्र सिंह बबली

पूर्व मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने अपने संबोधन में कहा कि गौ सेवा भारतीय परंपरा और संस्कारों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि टोहाना क्षेत्र में अनेक गौशालाएं बेहतर कार्य कर रही हैं, लेकिन इस दिशा में और अधिक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए बजट में वृद्धि कर इस क्षेत्र को मजबूत आधार प्रदान किया गया है और भविष्य में भी इस दिशा में निरंतर कार्य जारी रहेगा। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त अनुराग ढालिया, नगर परिषद चेयरमेन नरेश बंसल, संत मुनि महाराज, रमन मड़िया, रविंद्र , विकास , कवल चौधरी, संजीव सिंगला, टोहाना नगर परिषद के वाइस चेयरपर्सन पति प्रतिनिधि बलदेव सैनी, नरेंद्र गर्ग, प्रवीण गिल, विनोद खिचड़, किरण शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति, गौ सेवक एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

विश्व मलेरिया दिवस पर जागरूकता अभियान, मलेरिया मुक्त जिला बनाने का आह्वान

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । सिविल सर्जन डॉ. बुधराम की अध्यक्षता में विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। इस वर्ष का विषय 'मलेरिया उन्मूलन हेतु संकल्पः अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा' रखा गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में जागरूकता अभियान चलाया गया। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. हनुमान सिंह के नेतृत्व में विभिन्न विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया के प्रति प्रश्नोत्तरी, ध्वनि प्रसारण एवं व्याख्यान के माध्यम से जागरूक किया गया। विद्यार्थियों द्वारा रैली निकालकर भी आमजन को जागरूक किया गया। डॉ. हनुमान सिंह ने बताया कि मलेरिया एक गंभीर रोग है तथा बुखार होने पर तुरंत जांच कराना व पूर्ण उपचार लेना आवश्यक है। उप सिविल सर्जन डॉ.ज नीरज खटक ने बताया कि जिले में मलेरिया के मामलों में कमी आई है तथा यह रोग मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा अप्रैल से अक्टूबर तक तीव्र ज्वर सर्वेक्षण एवं स्रोत नियंत्रण गतिविधियां चलाई जा रही हैं। साथ ही जलभराव रोकने, नियमित सफाई रखने तथा मच्छरदानी के उपयोग की अपील की गई है।

साइबर ठगी से रहें सावधान: एसपी निकिता खट्टर की एडवाइजरी जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फेतहाबाद।

रजत विजय रंगा । विदेश में पढ़ाई और नौकरी के बढ़ते क्रेज के बीच साइबर ठगी के मामलों में तेजी आई है। इसी को देखते हुए फतेहाबाद की पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने आमजन, विशेषकर युवाओं और अभिभावकों के लिए विस्तृत एडवाइजरी जारी कर सतर्क रहने की अपील की है।एसपी ने बताया कि साइबर अपराधी युवाओं की विदेश जाने की इच्छा का फायदा उठाकर फर्जी एजेंट, कॉल सेंटर और नकली वेबसाइटों के माध्यम से ठगी कर रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं और एडमिशन के नाम पर लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। ठग व्हाट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए संपर्क कर 'गारंटी पास ', 'पेपर पहले से उपलब्ध ', 'कम फीस में एडमिशन' या 'बिना परीक्षा सर्टिफिकेट' देने जैसे झूठे वादे करते हैं। जैसे ही कोई व्यक्ति इनके झांसे में आकर पैसे ट्रांसफर करता है या अपनी निजी जानकारी साझा करता है, ठग संपर्क तोड़ देते हैं या और बड़ी ठगी को अंजाम देते हैं। पुलिस के अनुसार कई मामलों में फर्जी वेबसाइट बनाकर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के नाम पर पैसे वसूले जा रहे हैं। वहीं कुछ मामलों में संदिग्ध लिंक या एप डाउनलोड करवाकर मोबाइल का एक्सेस हासिल कर बैंकिंग जानकारी तक चोरी कर ली जाती है।

एसपी निकिता खट्टर ने बताया कि आमजन को केवल अधिकृत और विश्वसनीय संस्थानों के माध्यम से ही आवेदन करना चाहिए। किसी भी अनजान एजेंट को पैसे ट्रांसफर करने से बचें और 'गारंटी पास' या 'पेपर लीक' जैसे दावों पर भरोसा न करें। साथ ही किसी भी संदिग्ध लिंक या एप को डाउनलोड न करें और अपनी व्यक्तिगत या बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा न करें। उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर दिखने वाले विज्ञापनों पर तुरंत भरोसा न करें और किसी भी वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन करने से पहले उसकी सत्यता की जांच अवश्य करें। पुलिस ने लोगों को ऐसे संकेतों से भी सतर्क रहने को कहा है, जैसे अनजान कॉल या मैसेज, कम समय में रिजल्ट दिलाने का दावा, बहुत कम फीस में विदेश भेजने का लालच, फर्जी लिंक या वेबसाइट और जल्दी पैसे ट्रांसफर करने का दबाव। यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार की ठगी का शिकार होता है, तो वह तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज करवा सकता है या नजदीकी थाना और साइबर सेल में सूचना दे सकता है। अंत में एसपी ने अपील की कि आमजन सतर्क और जागरूक रहें, क्योंकि जागरूकता ही साइबर ठगी से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है।

दिल्ली कैपिटल्स नहीं तोड़ पाई पंजाब किंग्स का तिलिस्म, श्रेयस अय्यर की टीम ने रचा इतिहास, सबसे बड़ी रन चेज को दिया अंजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाने के बाद भी दिल्ली कैपिटल्स पंजाब किंग्स का तिलिस्म नहीं तोड़ पाई। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स ने दिल्ली के खिलाफ 265 रनों का टारगेट हासिल कर इतिहास रच दिया है। पंजाब कि टीम अब सिर्फ आईपीएल में ही नहीं बल्कि टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे बड़ा टारगेट चेज करने वाली टीम बन गई है। इस दौरान पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह और श्रेयस अय्यर ने धमाकेदार पारी खेली।

इस दौरान प्रभसिमरन सिंह ने 26 गेंदों पर 76 रनों की धमाकेदार पारी खेली तो अय्यर ने 36 गेंदों में नाबाद 71 रन बनाए। दोनों टीमों के बीच खेले गए इस मुकाबले में कुल 529 रन बने जो आईपीएल इतिहास में एक मैच में दोनों टीमों द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है।

इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के लिए केएल राहुल ने 152 रनों की नाबाद पारी खेली और टीम को 264 के स्कोर तक पहुंचाया। ये राहुल के आईपीएल करियर का छठा शतक था। राहुल आईपीएल के इतिहास में बतौर भारतीय 150 रन बनाने वाले पहले भारतीय बने। वहीं दूसरी तरफ नीतिश राणा का दिल टूटा। वह शतक के करीब पहुंचे, मगर पूरा नहीं कर पाए। राणा 91 के निजी स्कोर पर आउट हुए।

DC vs PBKS मैच के दौरान बड़ा हादसा, लुंगी एनगिडी सिर के बल बुरी तरह गिरे, मैदान पर बुलानी पड़ी एम्बुलेंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुण जेटली स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ कैच लेते समय लुंगी एनगिडी सिर पर जोरदार गिर पड़े जिस कारण माहौल गंभीर हो गया और एनगिडी को अस्पताल ले जाने के लिए मैदान पर एम्बुलेंस बुलानी पड़ गई।

पंजाब किंग्स जब 265 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी तो 2.3 ओवर में कैच लेने की कोशिश में एनगिडी बुरी तरह गिर पड़े। एनगिडी ने प्रियांश आर्य के बल्ले से निकली एक ऊंची गेंद को पकड़ने की कोशिश की लेकिन वह गेंद का अंदाजा ठीक से नहीं लगा पाए और जमीन पर गिर पड़े; उनके सिर का पिछला हिस्सा जोर से जमीन पर लगा।

गिरने की गंभीरता तुरंत बाद दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ उनकी ओर दौड़ पड़े; इस घटना से कई लोग साफ तौर पर घबराए हुए दिख रहे थे। कुलदीप यादव, डेविड मिलर और अन्य खिलाड़ी पास ही खड़े थे और उनके चेहरों पर चिंता साफ झलक रही थी, जबकि फिजियो इस दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज का इलाज करने के लिए दौड़ते हुए मैदान पर पहुंचे।

मेडिकल स्टाफ ने तुरंत एनगिडी के गले में नेक ब्रेस (गले का पट्टा) पहना दिया, और मैदान पर स्ट्रेचर लाया गया; इसके तुरंत बाद एक एम्बुलेंस भी आ गई, जो चोट की गंभीरता का साफ संकेत था। एक शुरुआती सकारात्मक संकेत के तौर पर, लाइव विजुअल्स में एनगिडी इलाज के दौरान डॉक्टरों से बात करते हुए दिखे, जबकि सभी जरूरी सावधानियां बरती जा रही थीं।

जैसे-जैसे स्थिति सामने आ रही थी, पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग भी मैदान पर आ गए, जबकि दुश्मंथा चमीरा संभावित %कनकशन सब्स्टीट्यूट% (चोट लगने पर बदलने वाले खिलाड़ी) के तौर पर वार्म-अप करने लगे। मैदान के बीच में कई तनावपूर्ण मिनटों के बाद एनगिडी को सावधानीपूर्वक स्ट्रेचर पर लेटाकर मैदान से बाहर ले जाया गया और आगे की मेडिकल जांच के लिए एम्बुलेंस में अस्पताल भेजा गया।

अभिषेक शर्मा की वृंदावन में चप्पल चोरी, भड़के भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से गेंदबाजों के छक्के छुड़ा रहे सनराइजर्स हैदराबाद के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा के साथ वृंदावन में एक अजीबोगरीब घटना हो गई। अपनी मां के साथ बांके बिहारी मंदिर दर्शन करने गए अभिषेक की चप्पलें मंदिर परिसर से गायब हो गईं, जिससे वह काफी नाराज और परेशान नजर आए। यह घटना एक प्रशंसक द्वारा बनाए गए वीडियो के माध्यम से सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह वीडियो इसी आईपीएल सीजन का है या पहले का।

जानकारी के अनुसार, अभिषेक शर्मा अपनी मां के साथ भगवान बांके बिहारी जी के दर्शन करने पहुंचे थे। जब वह पूजा-अर्चना के बाद मंदिर से बाहर निकले, तो जहां उन्होंने अपनी चप्पलें उतारी थीं, वे वहां नहीं मिलीं। वीडियो में सनराइजर्स के इस विस्फोटक सलामी बल्लेबाज को मंदिर के बाहर इधर-उधर अपनी चप्पलों की तलाश करते हुए देखा जा सकता है। वीडियो बनाने वाले प्रशंसक ने इसमें पीछे से कमेंट्री करते हुए पूरे वाकये को बयां किया। उसने कहा कि अभिषेक शर्मा और उनकी माताजी की चप्पलें भीड़भाड़ के कारण कहीं इधर-उधर हो गई हैं और लाख तलाशने के बावजूद नहीं मिल रही हैं। इस घटना से भारतीय बल्लेबाज अभिषेक काफी नाराज और परेशान दिखे, क्योंकि उन्हें नंगे पैर ही रहना पड़ रहा था। प्रशंसक ने आगे बताया कि किसी ने जानबूझकर अभिषेक शर्मा की चप्पलें गायब नहीं की थीं, बल्कि अत्यधिक भीड़ के कारण वे अपनी जगह से हट गई थीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, मंदिर प्रशासन ने तुरंत हस्तक्षेप किया और अभिषेक शर्मा के लिए नई चप्पलों की व्यवस्था की, जिसके बाद ही वह वहां से निकल पाए। यह घटना एक ऐसे समय में हुई है जब अभिषेक शर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 (स्रोत के अनुसार) में बल्ले से धमाल मचा रहे हैं।

अभिषेक ने मौजूदा आईपीएल सीजन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अब तक सात मैचों में कुल 323 रन बनाए हैं, जिसमें उनकी सबसे बड़ी और विस्फोटक पारी 135 रनों की रही थी, जो उन्होंने हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए पिछले ही मैच में बनाई थी। इस दमदार प्रदर्शन के साथ वह लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर काबिज हैं। वृंदावन में हुई इस मामूली लेकिन असहज घटना ने निश्चित रूप से उन्हें कुछ देर के लिए परेशान किया होगा, लेकिन उम्मीद है कि इसका असर उनके शानदार खेल पर नहीं पड़ेगा। यह घटना दर्शाती है कि आम लोगों की तरह ही खिलाड़ी भी ऐसी परेशानियों का सामना करते हैं।

आईपीएल 2026: पंत और रहाणे के बीच करो या मरो की जंग

-प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए जीतना जरुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का घमासान जारी है और इस बीच लखनऊ सुपर जायंट्स तथा कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच होने वाला मुकाबला सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि कप्तानों के धैर्य और नेतृत्व क्षमता की असली परीक्षा बन गया है। दोनों ही टीमों के कप्तान, ऋषभ पंत और अजिंक्य रहाणे, अपनी-अपनी टीमों के निराशाजनक प्रदर्शन के चलते भारी दबाव में हैं। यह भिड़ंत दोनों टीमों के लिए प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए करो या मरो का युद्ध साबित होगी, जहाँ एक हार उन्हें टूर्नामेंट से लगभग बाहर कर सकती है।

कोलकाता नाइट राइडर्स का इस सीज़न में प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। आईपीएल 2025 के निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद टीम प्रबंधन ने अजिंक्य रहाणे पर अपना भरोसा बरकरार रखा था, लेकिन इस सीज़न में भी टीम अपेक्षित लय हासिल करने में नाकाम रही है। उन्हें अपनी पहली जीत दर्ज करने के लिए सात मैच खेलने पड़े, और वह भी टीम के सामूहिक प्रयास के बजाय रिंकू सिंह की शानदार पारी की बदौलत ही संभव हो पाई थी। टीम की तेज गेंदबाजी और स्पिन विभाग में साफ तौर पर कमजोरी दिखाई दे रही है, जिससे विरोधी बल्लेबाज आसानी से रन बटोर रहे हैं। वरुण चक्रवर्ती का फॉर्म टीम के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है, और लगातार प्लेइंग इलेवन में बदलाव करने से टीम का संतुलन बिगड़ गया है। अजिंक्य रहाणे ने व्यक्तिगत रूप से कुछ मैचों में रन अवश्य बनाए हैं, लेकिन टी20 प्रारूप के हिसाब से उनकी स्ट्राइक रेट उम्मीद के मुताबिक नहीं रही है, जो टीम को तेज शुरुआत देने में बाधा डालती है। लगभग 38 वर्ष की आयु को देखते हुए, इस तेज-तर्रार फॉर्मेट में लंबे समय तक कप्तानी की जिम्मेदारियां निभाना उनके लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो रहा है, और उनके फैसलों पर भी अब सवाल उठने लगे हैं।

दूसरी ओर, लखनऊ सुपर जायंट्स का हाल भी कुछ ठीक नहीं है। टीम ने अब तक खेले गए मैचों में सिर्फ दो जीत दर्ज की हैं और प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने का खतरा उन पर लगातार मंडरा रहा है। लगातार चार हार ने टीम का मनोबल पूरी तरह से तोड़ दिया है और वे आत्मविश्वास की कमी से जूझते दिख रहे हैं। कप्तान ऋषभ पंत खुद भी खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं, जो टीम के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 67 रन की एक अच्छी पारी खेलने के बाद, पंत अगली पांच पारियों में सिर्फ 72 रन ही बना पाए हैं, जो उनकी क्षमता से बहुत कम है। हाल ही में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ वे मात्र तीन गेंदों का सामना कर शून्य पर आउट हो गए थे, जिससे उनकी आलोचना में और भी इजाफा हुआ है। लखनऊ का अपने घरेलू मैदान पर रिकॉर्ड भी बेहद खराब रहा है; पिछले सीज़न में उन्होंने 8 में से 6 मैच गंवाए थे, और इस सीज़न में भी वे 3 मैच हार चुके हैं। कुल मिलाकर, 24 मैचों में उन्हें केवल 9 जीत मिली हैं, जो घरेलू लाभ न उठा पाने की कहानी कहती है। निकोलस पूरन और एडेन मार्करम जैसे विदेशी खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है, जिससे टीम की बल्लेबाजी और संतुलन दोनों प्रभावित हुए हैं।

हालांकि, कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए एक अच्छी खबर यह है कि श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना की वापसी से उनकी गेंदबाजी मजबूत हुई है। उनकी सटीक यॉर्कर गेंदबाजी टीम के लिए एक बड़ा हथियार साबित हो सकती है, जो आखिरी ओवरों में रन रोकने में मददगार होगी। इन दोनों कप्तानों के रिकॉर्ड भी उनकी टीमों की मौजूदा स्थिति को बखूबी दर्शाते हैं- अजिंक्य रहाणे ने केकेआर के लिए 20 मैचों में 6 जीत और 12 हार देखी हैं, जबकि ऋषभ पंत ने एलएसजी के लिए 21 मैचों में 8 जीत और 13 हार का सामना किया है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि दोनों ही कप्तानों को न सिर्फ अपनी टीमों को जीत की राह पर लाना होगा, बल्कि अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन से भी मिसाल कायम करनी होगी, वरना उनके कप्तानी करियर पर तलवार लटक सकती है।

टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट से पहले पाकिस्तान दौरे पर जाएंगी जिम्बाब्वे

हरारे । 12 जुलाई से इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्वकप महिला क्रिकेट टूर्नामेंट की तैयारी के लिए जिम्बाब्वे की टीम पाकिस्तान दौरे पर जाएगी। यह पहली बार होगा जब जिम्बाब्वे की महिला टीम पाक का दौरा करेगी। इसे दोनों देशों के क्रिकेट संबंधों में एक नया दौर शुरु होगा। इस दौरे से जहां दोनो टीमों को अभ्यास का अवसर मिलेगा। वहीं महिला क्रिकेट के वैश्विक विकास में भी इससे सहयोग मिलेगा।इस दौरे में जिम्बाब्वे तीन एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय और इतने ही टीम 20 मुकाबले खेलेगी। सभी मैच पाकिस्तान के कराची स्थित प्रतिष्ठित नेशनल बैंक स्टेडियम में खेले जाएंगे। कार्यक्रम के अनुसार, जिम्बाब्वे की टीम 29 अप्रैल को कराची पहुंचेगी। इसके बाद, 3 मई से एकदिवसीय मैचों के साथ दौरे की आधिकारिक शुरुआत होगी। एकदिवसीय सीरीज के बाद, 12 मई से तीन मैचों की टी-20 सीरीज शुरु होगी। इससे दोनो ही टीमों को खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी क्षमताओं को आंकने का अवसर मिलेगा। पिछले कुछ समय से लगातार खराब प्रदर्शन से परेशान पाक टीम के लिए भी यह सीरीज तैयारी के लिहाज से बेहद अहम रहेगा। जो 12 जून से शुरू होगी। घरेलू हालातों में एक अंतरराष्ट्रीय टीम के खिलाफ खेलना, टीम को अपनी रणनीति को परखने, विभिन्न खिलाड़ियों को आजमाने और विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले अपनी लय हासिल करने का बेहतरीन अवसर होता है।

आरसीबी ने लगाई अंक तालिका में छलांग, दूसरे स्थान पर पहुंची

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 34वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने एक रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से मात देकर अंक तालिका में बड़ी छलांग लगाई है। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में विराट कोहली की 81 और देवदत्त पडिक्कल की 55 रन की शानदार पारियां गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन के शतक पर भारी पड़ गईं। गुजरात टाइटंस द्वारा दिए गए 206 रनों के पहाड़ जैसे लक्ष्य को आरसीबी ने 18.5 ओवर में ही आसानी से हासिल कर लिया। कोहली और पडिक्कल के बीच दूसरे विकेट के लिए हुई 115 रन की साझेदारी इस जीत का मुख्य कारण बनी। इस जीत के साथ, आरसीबी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है, जिससे प्लेऑफ की दौड़ और भी रोमांचक हो गई है। रन चेज के उस्ताद विराट कोहली ने जैकब बेथेल के जल्दी आउट होने के बाद गुजरात के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं। गुजरात के बल्लेबाजों ने पहली पारी में काफी संभलकर रन बनाए थे, लेकिन कोहली ने पिच की उछाल और गति को बखूबी समझा। उन्होंने प्रसिद्ध कृष्णा और कगिसो रबाडा जैसे तेज गेंदबाजों का आसानी से सामना किया और मैदान के चारों ओर रन बटोरे। इस जीत के साथ आरसीबी ने राजस्थान रॉयल्स को नेट रन रेट के आधार पर पीछे छोड़ते हुए अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। मौजूदा चैंपियन टीम ने अब सात मैचों में पांच जीत दर्ज कर ली हैं और वे सीजन के महत्वपूर्ण दौर में मजबूत स्थिति में दिख रहे हैं। अंक तालिका की ताजा स्थिति पर नजर डालें तो श्रेयस अय्यर की टीम पंजाब किंग्स 6 मैच खेलकर 5 जीत और एक बेनतीजा रहे मुकाबले के दम पर 11 अंकों के साथ टॉप पोजिशन पर काबिज है। गुजरात को हराने के बाद, नेट रन रेट में सुधार के चलते आरसीबी 7 मैचों में 5 जीत और 10 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर आ चुकी है। तीसरे स्थान पर राजस्थान रॉयल्स की टीम है, जिनके पास भी 7 मैच खेलने के बाद 5 जीत से 10 अंक हैं। इस मुकाबले में अपनी शानदार पारी के दम पर विराट कोहली ऑरेंज कैप की रेस में पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। इतने ही मुकाबले के बाद 4 जीत से 8 अंक लेकर सनराइजर्स हैदराबाद चौथे नंबर पर है, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स की टीम 3 जीत हासिल करने के बाद पांचवें स्थान पर है।

बांग्लादेश की नाहिदा और शर्मिन पर आईसीसी आचार संहिता उल्लंघन का जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका के खिलाफ बुधवार को राजशाही में खेले गए दूसरे एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के अलग-अलग स्तर 1 के उल्लंघनों के लिए बांग्लादेश की नाहिदा अख्तर और शर्मिन सुल्ताना पर उनकी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। दोनों खिलाड़ियों को एक-एक डिमेरिट पॉइंट भी मिला है, जो पिछले 24 महीनों में उनका पहला ऐसा अपराध है। यह घटनाएँ खेल भावना और क्रिकेट के सम्मान को बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करती हैं।

स्पिनर नाहिदा को श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू को 17वें ओवर में आउट करने के बाद एक एनिमेटेड सेंड-ऑफ देने के लिए दंडित किया गया था। इस तरह का व्यवहार अक्सर विपक्षी खिलाड़ी के प्रति असम्मानजनक माना जाता है और खेल की गरिमा के विरुद्ध होता है। दूसरी ओर, बल्लेबाज शर्मिन को बांग्लादेश की पारी के 16वें ओवर में एलबीडब्ल्यू आउट दिए जाने के बाद अपना असंतोष व्यक्त करने के लिए दंडित किया गया। उन्होंने मैदान से जाने में देरी की और फैसले से असहमति व्यक्त करते हुए अपने बल्ले की ओर इशारा किया, जो अंपायर के निर्णय पर सवाल उठाने के समान है।

मैच अधिकारियों ने इन उल्लंघनों को गंभीरता से लिया। आरोप ऑन-फील्ड अंपायरों एलोइस शेरिडन और रोकैया सुल्ताना, तीसरे अंपायर डॉली रानी सरकार और चौथे अंपायर शथिरा जाकिर जेसी द्वारा लगाए गए थे। एक औपचारिक सुनवाई से बचने के लिए, नाहिदा और शर्मिन दोनों ने अपने अपराधों को स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी सुप्रिया रानी दास द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को भी स्वीकार कर लिया। आईसीसी इस तरह के व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करता है, क्योंकि यह युवा खिलाड़ियों के लिए एक गलत उदाहरण स्थापित करता है और खेल की छवि को धूमिल करता है। यह घटनाएँ खिलाड़ियों को मैदान पर अपने आचरण के प्रति अधिक सचेत रहने की याद दिलाती हैं।

आरसीबी आक्रामक अंदाज में खेलती रहेगी : बोबाट

बेंगलुरु । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के क्रिकेट निदेशक मो बोबाट ने कहा है कि उनकी टीम इस सत्र में आगे भी आक्रामक रणनीति से ही खेलती रहेगी। बोबाट ने कहा कि कप्तान रजत पाटीदार के नेतृत्व में टीम जिस प्रकार से आगे बढ़ रही है उससे हम सभी उत्साहित हैं। कप्तान टीम की सभी योजनाओं को बेहतर तरीके से अमल में लाने में सफल हुए हैं। बोबाट ने कहा कि टीम के सभी खिलाड़ी निडर होकर खेल रहे हैं

और इसी कारण टीम को आगे भी सफल होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि हम आक्रामक क्रिकेट ही खेलते रहो मैं चाहता हूं कि हम साहसी बनें। बोबाट ने विशेष रूप से उन अवसरों पर ध्यान देने को कहा है जब साहस की सबसे अधिक जरुरत होती है। उनके अनुसार, ऐसे मौकों पर साहसी बनें जब सच में हिम्मत की जरूरत हो। जब मैच दांव पर लगा हो या हालात थोड़े कठि हो जाएं, अगर हम हर दौर में आक्रामक और साहसी बने रहें तो मुझे लगता है कि हम वैसा ही खेलेंगे जैसा हम खेलना चाहते हैं। यह टीम को हर प्रकार के हालातों में चाहे वह दबाव भरे हो या चुनौतीपूर्ण, अपनी स्वाभाविक आक्रामक शैली से न हटने को प्रेरित करता है। बोबाट ने पाटीदार को इस आक्रामक सोच का एक प्रमुख उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि पाटीदार टीम की रणनीति पर बने रहे हैं और मैदान पर लगातार आक्रामक तरीके से फैसले लेते रहे हैं। उन्होंने कहा, हम अपनी रणनीति में आक्रामक तरीकों को प्राथमिकता देते हैं पर मैदान पर रजत को अपने फैसले स्वयं लेते हैं और वह इसमें काफी कुशल हो गये हैं। । पाटीदार की सबसे बड़ी खासियत उनका शांत स्वभाव है जिससे उनपर दबाव नहीं पड़ता है।। जब हालात थोड़े मुश्किल हो जाते हैं तो वह शांत रहने और अपनी सोची हुई योजनाओं पर टिके रहते हैं। बोबाट ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि बल्लेबाजी में पाटीदार का यह शांत और आक्रामक स्वभाव उन्हें आगे बढ़कर टीम की अगुवाई करने में बहुत अच्छा बनाता है।

विराट कोहली ने अभिषेक शर्मा से छीनी ऑरेंज कैप, आईपीएल 2026 में बने नंबर वन बल्लेबाज

नई दिल्ली ।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का रोमांच अपने चरम पर है, और हर गुजरते मैच के साथ ऑरेंज और पर्पल कैप की रेस और भी दिलचस्प होती जा रही है। टूर्नामेंट के 34वें मुकाबले में जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) की टीमें आमने-सामने उतरीं, तो किसी ने नहीं सोचा था कि एक ही मैच के बाद बल्लेबाजों की रैंकिंग में इतना बड़ा फेरबदल देखने को मिलेगा। इस मैच में विराट कोहली के बल्ले से निकली आतिशी पारी ने न केवल बेंगलुरु को एक महत्वपूर्ण जीत दिलाई, बल्कि किंग कोहली को एक बार फिर रनों के शिखर पर लाकर खड़ा कर दिया है, जिससे उन्होंने ऑरेंज कैप पर कब्जा कर लिया है। इस मैच के बाद आईपीएल 2026 की ऑरेंज कैप लिस्ट पूरी तरह बदल गई है। मैच से पहले जो विराट कोहली टॉप-5 से बाहर थे, अब वह सीधे पहले पायदान पर पहुंच गए हैं। विराट ने इस सीजन में अब तक 7 मैचों में 328 रन बना लिए हैं और वह फिलहाल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। विराट के ठीक पीछे सनराइजर्स हैदराबाद के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का नाम है। अभिषेक ने भी इस सीजन में अपनी बल्लेबाजी से काफी प्रभावित किया है और वह 7 मैचों में 323 रनों के साथ दूसरे स्थान पर काबिज हैं। उनके ही साथी और हैदराबाद के विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 7 मैचों में 320 रन बनाकर तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। हैदराबाद के इन दो बल्लेबाजों और विराट कोहली के बीच रनों का अंतर बहुत कम है, जिससे आने वाले मैचों में यह जंग और भी रोचक होने वाली है। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल 6 मैचों में 297 रनों के साथ चौथे नंबर पर आ गए हैं, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स के संजू सैमसन 7 मैचों में 293 रनों के साथ पांचवें पायदान पर खिसक गए हैं।

श्रीलंका को 2027 एकदिवसीय विश्वकप में खिताबी दावेदार बनाना है लक्ष्य : कर्स्टन

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के नये मुख्य कोच गैरी कर्स्टन ने अपना पद संभाल लिया है और श्रीलंकाई टीम को 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए तैयार करने की योजना भी बना ली है। कर्स्टन का कहना है कि वह एकदिवसीय विश्व कप के लिए एक ऐसी मजबूत टीम तैयार करना है, जो खिताब की दौड़ में एक प्रमुख दावेदार के तौर पर सामने आये। कर्स्टन ने टीम को बेहतर बनाने की अपनी रणनीति की जानकारी देते हुए कहा, हम सभी प्रारुप में टीम से बेहतर प्रदर्शन चाहते हैं क्योंकि आने वाले समय में विश्वकप के अलावा कई और मुकाबले भी हैं। । 2027 का एकदिवसीय विश्व कप अगले साल अक्टूबर और नवंबर में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। श्रीलंका के लिए इसमें बेहतर प्रदर्शन करना आसान नहीं होगा। साल 2011 के बाद से टीम एक बार भी एकदिवसीय विश्व कप के सेमीफाइनल तक भी नहीं पहुंच पाई है। वहीं कर्स्टन ने साफ कर दिया है कि उनकी प्राथमिकता सभी प्रारूपों के लिए एक सबसे संतुलित और सक्षम टीम तैयार करना है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस समय मेरी प्राथमिकता यही है, और मैंने इस दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। हमारा ध्यान अलग-अलग प्रारूपों में विभिन्न भूमिकाओं के लिए खिलाड़ियों को तैयार करने पर केंद्रित है, जिससे टीम हर स्थिति में मजबूत दिख सके। इससे साफ है कि उका यह दिखाता है कि वह केवल एक-दिवसीय क्रिकेट पर नहीं, बल्कि सभी प्रारुपों के लिए बेहतर टीम तैयार करने पर जोर दे रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि श्रीलंका ने हाल ही में टी20 विश्व कप के कुछ मैचों में कुछ अच्छा प्रदर्शन किया है, जिससे यह पता चलता है कि खिलाड़ियों में काफी क्षमताएं मौजूद है। हमें बस इस क्षमता को निरंतरता में बदलने की जरूरत है, कर्स्टन ने जोर दिया। उनका मानना है कि सही मार्गदर्शन और दृढ़ता के साथ, श्रीलंकाई टीम निश्चित रूप से 2027 विश्व कप में अपना प्रभाव दिखा सकती है ।

राष्ट्रीय टीम से बाहर किए जाने पर खुशदिल शाह का फूटा गुस्सा, बोले- 700-800 रन बनाकर भी ड्रॉप किया

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज खुशदिल शाह राष्ट्रीय टीम में चयन न होने से गहरे हताश हैं। वर्तमान में पाकिस्तान सुपर लीग में कराची किंग्स का प्रतिनिधित्व कर रहे खुशदिल ने हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और टीम प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए अपनी निराशा व्यक्त की। यह नाराजगी पूर्व क्रिकेटर रमीज राजा के साथ एक बातचीत के दौरान सामने आई, जहां खुशदिल ने टीम से बाहर रखे जाने पर अपना पक्ष रखा। खुशदिल ने गुरुवार को लाहौर कलंदर्स के खिलाफ गद्दाफी स्टेडियम में कराची किंग्स को पांच विकेट से शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, जहां उन्होंने मात्र 14 गेंदों में 44 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली थी। इस मैच जिताऊ प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मैच के बाद खुशदिल शाह ने रमीज राजा से स्पष्ट शब्दों में कहा, मैं अन्य खिलाड़ियों से अलग हूँ। मैं न तो सोशल मीडिया पर सक्रिय रहता हूँ और न ही पुरानी बातों का रोना रोता हूँ कि मेरे साथ क्या गलत हुआ। मैंने हाल ही में पांचवें और छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 700-800 रन बनाए हैं, जिसमें एक दोहरा शतक और कई बड़ी पारियां शामिल हैं। इतने सब के बावजूद, मुझे टीम से ड्रॉप कर दिया गया। खुशदिल ने आखिरी बार सितंबर 2025 में यूएई के खिलाफ पाकिस्तान के लिए खेला था। उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए अब तक 15 वनडे और 38 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं।

लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच हुए रोमांचक मुकाबले में, लाहौर कलंदर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 199 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। उनके सलामी बल्लेबाज फखर जमां ने 41 गेंदों में 61 रन और अब्दुल्ला शफीक ने 36 गेंदों में 62 रन की शानदार पारियां खेलीं। मोहम्मद और सिकंदर रजा ने 18-18 रन का योगदान दिया, जबकि डेनियल सैम्स ने 20 और कप्तान शाहीन अफरीदी ने 10 रन बनाए। कराची किंग्स के लिए मोईन अली ने दो विकेट लिए, जबकि हसन अली और रिजवानुल्लाह को 1-1 विकेट मिला।

200 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी कराची किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही, जब डेविड वॉर्नर और जेसन रॉय सस्ते में आउट हो गए। रॉय 5 गेंद में 9 और रीजा हैंड्रिक्स 9 गेंद में 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे। सलमान आगा ने 15 गेंद में 14 रन बनाए। हालांकि, मोईन अली ने 17 गेंद में 39 रन की दमदार पारी खेली और आजम खान ने 8 गेंद में 14 रन का योगदान दिया। कप्तान डेविड वॉर्नर ने

एक छोर संभाले रखा और 44 गेंदों में 9 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 63 रन बनाए। लेकिन यह खुशदिल शाह की विस्फोटक पारी थी, जिसने कराची किंग्स को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। लाहौर के लिए उबैद शाह ने तीन विकेट चटकाए, पर वे टीम को जीत नहीं दिला पाए। खुशदिल की यह पारी ऐसे समय में आई है जब वह राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह को लेकर जूझ रहे हैं, और उनके इस प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं पर निश्चित रूप से दबाव बढ़ा दिया है।

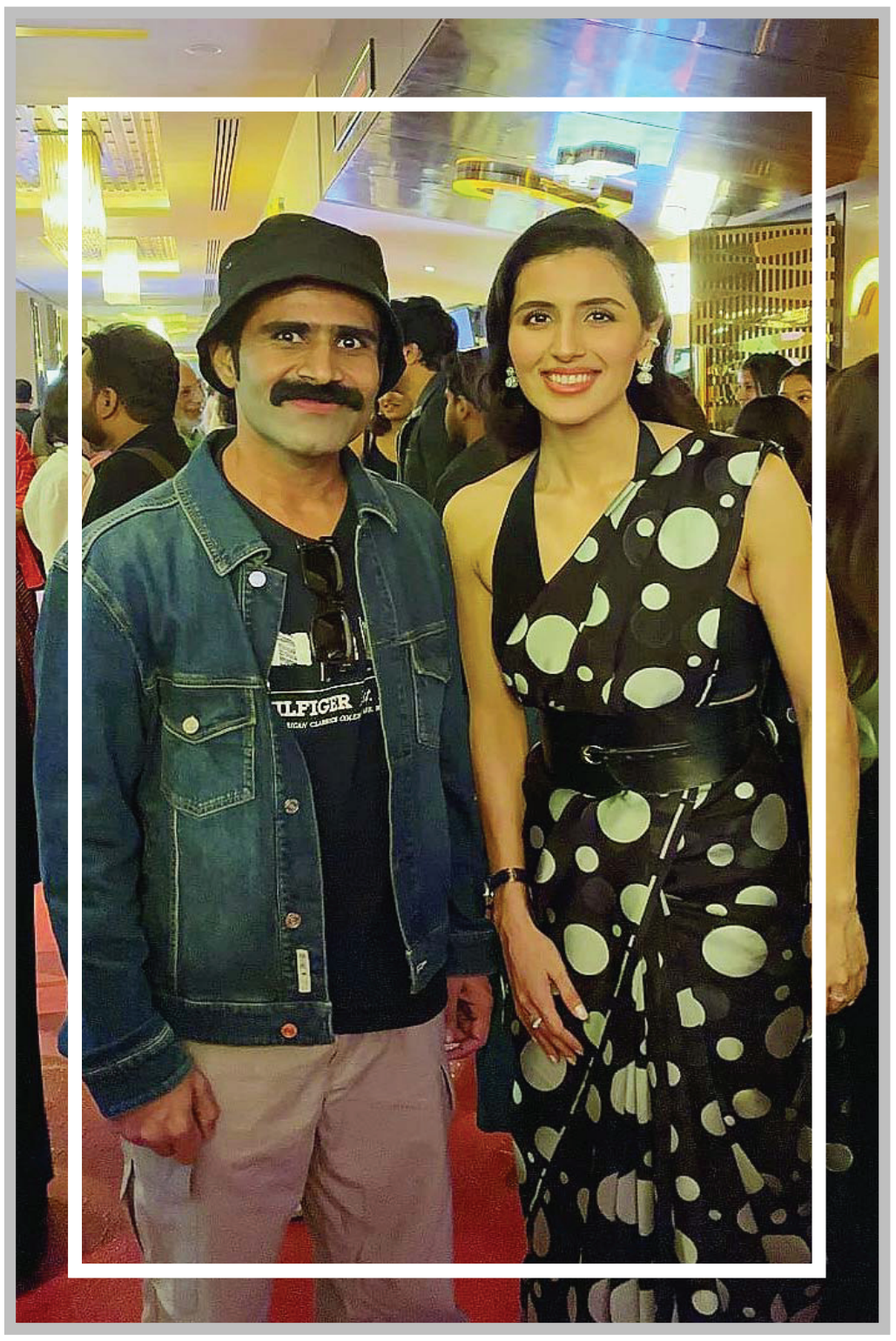

मशहूर अभिनेता बिश्नोई ने समाज को शिक्षा के महत्व पर दिया प्रेरणादायक संदेश

हिंदी सिनेमा के प्रमुख अभिनेता श्री बिश्नोई ने एक वीडियो शेयर कर समाज को गहनों के बजाय शिक्षा पर निवेश करने का महत्वपूर्ण संदेश दिया है। एक फंक्शन में दिए गए अपने भावुक भाषण में उन्होंने कहा कि समाज शादी-ब्याह के लिए गहनों की व्यवस्था करने में लाखों रुपये का लोन ले लेता है, लेकिन शिक्षा के लिए कभी ऐसा नहीं करता। श्री बिश्नोई ने जोर देकर कहा, ÷वही पैसे अगर पढ़ाई में लगाए जाएं और बच्चे को काबिल बनाया जाए, तो बाकी सारी व्यवस्था वह खुद कर लेगा।÷ श्री बिश्नोई ने अपने भाषण में समाज की एक कड़वी सच्चाई को उजागर किया। उन्होंने बताया कि हर घर में 10 से 50 लाख रुपये के गहने पड़े रहते हैं, जिन्हें वापस बेचने पर सुनार उनकी कीमत न के बराबर कर देता है। ÷ये गहने अलमारी में पड़े रहते हैं, ज्यादा उपयोग में भी नहीं आते। सब इसी प्रक्रिया के आदी हो चुके हैं, इसी चेन में बंध चुके हैं। गहनों को त्यागकर पढ़ाई और काबिल बनने पर ध्यान दें, हर बच्चा सक्षम होगा और समाज भी आगे बढ़ेगा,÷ उन्होंने अपील की। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों द्वारा खूब सराहा जा रहा है। फिल्म इंडस्ट्री में इक्कीस फिल्म से श्री बिश्नोई को व्यापक चर्चा मिली, जहां उन्होंने वॉर हीरो फामागुस्ता टैंक ड्राइवर पराग सिंह का किरदार निभाया था। यह फिल्म थिएटर रिलीज के बाद अब अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। इक्कीस को धर्मेंद्र देओल की आखिरी फिल्म माना जा रहा है, जिसमें उनके दमदार अभिनय ने दर्शकों को भावुक कर दिया। फिल्म 1971 के भारत-पाक युद्ध पर आधारित है, जो परम वीर चक्र विजेता सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेतरपाल की बहादुरी की सच्ची कहानी बयां करती है। फिल्म में अगस्त्य नंदा ने सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेतरपाल का केंद्रीय किरदार निभाया है, जिन्होंने मात्र 21 साल की उम्र में अपनी वीरता से दुश्मन के 10 टैंक अकेले नष्ट कर दिए थे। अगस्त्य का डेब्यू परफॉर्मेंस बेहद प्रभावशाली रहा और युवा दर्शकों ने उन्हें खूब पसंद किया। वहीं, सिमर भाटिया ने किरण नाम का किरदार निभाया, जो फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सिमर के भावुक अभिनय ने फैंस का दिल जीत लिया। फिल्म के निर्देशक श्रीराम राघवन ने ऐतिहासिक घटनाओं को बखूबी पेश किया है, जिसमें युद्ध दृश्यों की ग्राफिक्स और साउंड इफेक्ट्स सराहनीय हैं। रंगमंच से हिंदी सिनेमा में कदम रखने वाले श्री बिश्नोई एक समर्पित अभिनेता हैं। राजस्थान के बीकानेर से ताल्लुक रखने वाले श्री बिश्नोई ने इक्कीस के बाद कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स में दिखेंगे ।

उनका यह संदेश खासकर ग्रामीण और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए प्रासंगिक है, जहां परंपरागत खर्चों के चलते शिक्षा पर निवेश कम होता है। श्री बिश्नोई का अभिनय और सामाजिक चेतना दोनों ही दर्शकों को प्रभावित करते हैं। शिक्षा विशेषज्ञों ने श्री बिश्नोई के विचारों का समर्थन किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में शादियों पर औसतन 20-30 लाख रुपये खर्च होते हैं, जिसमें गहनों का बड़ा हिस्सा होता है, जबकि शिक्षा बजट महज 5-10 रहता है। ऐसे में उनका संदेश सामाजिक जागरूकता फैलाने वाला है। सोशल मीडिया पर ऋशिक्षापरनिवेश और ऋगहनोंकात्याग जैसे हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं। इक्कीस फिल्म की सफलता के बाद श्री बिश्नोई को कई बड़े प्रोजेक्ट्स मिले हैं। अमेजन प्राइम पर उपलब्ध यह फिल्म अब तक करोड़ों व्यूज बटोर चुकी है। धर्मेंद्र देओल का अंतिम रूपांतरण दर्शकों के लिए भावुक क्षण लेकर आया। अगस्त्य नंदा, जो अमिताभ बच्चन के नाती हैं, ने साबित कर दिया कि वे अपनी कला से चमक सकते हैं। सिमर भाटिया की को-स्टारिंग ने फिल्म को भावनात्मक गहराई प्रदान की। श्री बिश्नोई का यह वीडियो न केवल शिक्षा के महत्व को रेखांकित करता है, बल्कि समाज को आत्ममंथन के लिए प्रेरित करता है। रंगमंच से बड़े पर्दे तक का सफर तय करने वाले इस अभिनेता ने साबित किया है कि सच्ची सफलता काबिलियत और संवेदनशीलता से आती है। उनके प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि वे जल्द ही कोई नया सिनेमाई प्रोजेक्ट लेकर आएंगे। समाज अगर उनके संदेश को अपनाए, तो निश्चित रूप से नई पीढ़ी सशक्त बनेगी।

अक्षय कुमार ने ना तो मेरा और ना प्रियंका चोपड़ा का फायदा उठाया, **लारा दत्ता** बोलीं- उन्होंने 2 लड़कियों को देखा और...

लारा दत्ता ने अक्षय कुमार के साथ कई फिल्मों में काम किया है। एक फिल्म में लारा ने अक्षय और प्रियंका चोपड़ा के साथ काम किया था जिसका नाम था अंदाज। प्रियंका चोपड़ा और लारा दत्ता ने साथ में अंदाज फिल्म में काम किया है। इस फिल्म में दोनों एक्ट्रेस के साथ अक्षय कुमार लीड रोल में थे। दोनों एक्ट्रेसेस ने लगभग एक ही समय पर फिल्मों में काम की शुरुआत की थी। अब लारा ने पुरानी यादों को शेयर कर अक्षय के बारे में बात की और बताया कि उन्होंने दोनों एक्ट्रेस के साथ कैसा बिहेव किया था जिसे वह आज तक नहीं भूल पाई हैं।

अक्षय को लेकर क्या बोलीं लारा दत्ता-यूट्यूब चैनल एटीएनकनाडा से बात करते हुए लारा ने खुद को खुशकिस्मत कहा कि उनकी बॉलीवुड जर्नी अंदाज फिल्म से हुई। लारा ने अक्षय के सपोर्ट की तारीफ की। लारा ने अक्षय को दोस्त, फिलोसफर और गाइड बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि अक्षय का रोल उस वक्त एक को-स्टार से काफी ज्यादा था।

अक्षय ने नहीं उठाया फायदा-लारा ने आगे कहा, 'मैं और प्रियंका दोनों ही एक ही समय पर साथ में आए। अक्षय ने देखा कि 2 लड़कियां अपनी आंखों में सितारे लेकर आई हैं और इन्हें ना कोई गाइडेंस है और ना ही कोई डायरेक्शन का पता है। लेकिन अक्षय ने कभी इसका फायदा नहीं उठाया।'लारा ने फिर अक्षय की इंडस्ट्री को लेकर अंडरस्टैन्डिंग की तारीफ की। लारा ने कहा, 'आज मैं सोचती हूं कि वह शानदार स्ट्रीट स्मार्ट पर्सन हैं। वह बिजनेस के बारे में जानते हैं।'**अंदाज कब हुई थी रिलीज**-अंदाज फिल्म की बात करें तो इसमें लारा दत्ता ने काजल, प्रियंका चोपड़ा ने जिया और अक्षय कुमार ने राज का किरदार निभाया था। यह फिल्म साल 2003 में रिलीज हुई थी।

तीनों की अपकमिंग फिल्में-तीनों स्टार कास्ट की बात करें तो प्रियंका लास्ट बॉलीवुड फिल्म द स्काई इज पिंक में नजर आई थीं जो साल 2019 में रिलीज हुई थी। इसके बाद वह किसी हिंदी फिल्म में नजर नहीं आई हैं। हालांकि अब वह तेलुगु फिल्म वाराणसी में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म को एस एस राजामौली ने डायरेक्ट किया है। वहीं महेश बाबू इसमें लीड रोल में हैं। लारा दत्ता वहीं 2023 में इश्क ए नादान में नजर आई थीं। अब वह फिल्म रामायण में नजर आने वाली हैं जो इसी साल दिवाली पर रिलीज होगी।अक्षय कुमार की बात करें तो उनकी फिल्म भूत बंगला अब रिलीज होने वाली है 17 अप्रैल को। इसके बाद वह वेलकम टू द जंगल, हैवान, गोलमाल 5 और हेरा फेरी 3 में नजर आएंगे।

करीना कपूर ने तोड़ी एयरपोर्ट की लाइन, घुस गई अंदर, VIP ट्रीटमेंट पर हो रही हैं ट्रोल, यूजर्स बोले-बंद करो...

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान अक्सर खबरों में बनी रहती हैं। इस बार एक्ट्रेस एक वीडियो की वजह से सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया यूजर्स उन्हें एक नियम तोड़ने के लिए ट्रोल कर रहे हैं। करीना कपूर का एक वीडियो सामने आया है जिसमें उन्हें एयरपोर्ट चेकिंग के दौरान लगी लाइन को तोड़ते हुए सीधे एंट्रेंस पर देखा जा सकता है। चेकिंग बूथ पर पहुंचते ही एक्ट्रेस लाइन में खड़े दूसरे लोगों की परवाह किए बिना ही एंट्री ले लेती हैं। इस वीडियो के सामने आते ही सेलेब्रेटी को मिल रहे स्पेशल ट्रीटमेंट पर सवाल उठ रहे हैं। **ट्रोल हुई करीना**-सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में करीना कपूर को पीच रंग के सूट-सलवार में देखा जा सकता है। करीना ने इस मौके पर मोटे फ्रेम वाला चश्मा पहना हुआ है। वो एयरपोर्ट पहुंचती हैं लाइन में खड़े होने की बजाय सीधे गेट पर पहुंच जाती हैं। वहां उनके साथ मौजूद शख्स ऑफिस को उनका पासपोर्ट और उनकी ढ्ढष्ठ दिखता है जिसके बाद करीना एंट्री लेकर अंदर चली जाती हैं। इस वीडियो में लंबी लाइन देखी जा सकती है। यूजर्स एक्ट्रेस को नियम तोड़ने के लिए ट्रोल कर रहे हैं। वीडियो शेयर करने वाले शख्स ने लिखा है, 'करीना कपूर ने एयरपोर्ट पर लाइन को तोड़ते हुए सीधे गेट पर पहुंच गई। सेलेब्रिटी ऐसा क्यों करते हैं, उन्हें ये अधिकार किसने दिया है?दूसरे लोग लाइन में खड़े होकर अपना नंबर आने का इंतजार कर रहे हैं। उन्हें भी अपनी अर्जेंट फ्लाइट लेनी है। ये सही नहीं है।' **करीना का नहीं आया जवाब**-एक अन्य यूजर ने लिखा कि ये एक साधारण सी लाइन सभ्य समाज और देश के बीच की गहरी खाई को उजागर कर रही है जहां सभी लोग जाति, वर्ग, उंचे, नीचे की ताकत में जकड़े हुए हैं।एक और यूजर ने लिखा कि भारत में ये VIP भेदभाव क्यों हो रहा है। जबकि देश के प्रधानमंत्री मोदी ने सभी को चेतावनी दी हुई है।एक और यूजर ने देश के गृह मंत्रालय को टैग करते हुए इस VIP ट्रीटमेंट पर सवाल खड़ा किया है। NCMindia ने तंज कसते हुए कहा कि सशक्त करीना कपूर लाइन में नहीं खड़ी होना चाहतीं हैं। हालांकि, इस मामले पर अभी तक करीना कपूर का कोई जवाब सामने नहीं आया है। **करीना की आने वाली फिल्म**-वर्क फ्रंट की बात करें तो करीना कपूर आने वाले दिनों में मेघना गुलज़ार के डायरेक्शन में बनी फिल्म दायरा में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा उनके पास एक पैन इंडिया फिल्म भी है जिसके नाम की जानकारी सामने नहीं आई है।

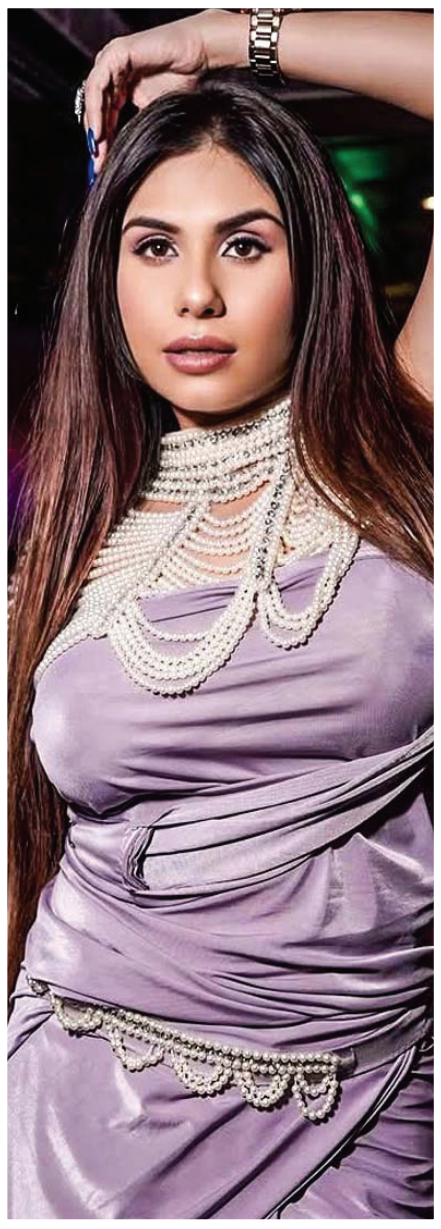

दीपिका कक्कड़ को दोबारा सिस्ट होने के बाद रहती है घबराहट, बोलीं- रूहान के साथ ना हो पाने का दुख

टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ कैंसर से लड़ रही हैं। उनकी यह जंग आसान नहीं है लेकिन बहादुरी से सामना कर रही हैं। हालांकि जब हौसला टूटने लगता है तो वह अपने फॉलोअर्स के सामने दिल हलका कर लेती हैं। बीते दिनों उनको सिस्ट वापस आने की समस्या का पता चला था। इस वजह से वह काफी परेशान थीं। मार्च में उनका ऑपरेशन हो चुका है। दीपिका ने बताया कि इन सब परेशानियों की वजह से वह अपने बच्चे रूहान को जरा भी टाइम नहीं दे पा रहीं। अब उनका व्लॉग चर्चा में है जिसमें उन्होंने अपने दिल की बातें कीं।

बेटे को नहीं दे पातीं वक्त-दीपिका ने अपने इस व्लॉग में कहा था कि सिस्ट के दोबारा आने से वह हिल गई हैं। उन्होंने इसे अल्लाह की मर्जी बताया था। दीपिका यह भी बताती हैं कि बहुत घबराहट भी है। दीपिका व्लॉग में बोलती हैं, %मेरी बीमारी की वजह से मेरे दिमाग में कई चीजें चल रही हैं। शोएब कई चीजों में फंस गए हैं। मैं कभी-कभी रुहान को वक्त नहीं दे पाती। जब थकी होती हूं तो मैं सो जाती हूं। अगर हॉस्पिटल में हूं तो मैं रुहान के साथ नहीं रह पाती। जब आप बीमार होते हैं तो आपका रूटीन और प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। मैं इससे पूरी तरह से बाहर निकलना चाहती हूं।दीपिका ने कहा कि ऐसा होगा और वह इस चीज के लिए पूरी तरह से पॉजिटिव हैं। दीपिका ने यह भी बताया कि कई दिनों से प्लान चल रहा है कि आगे का ट्रीटमेंट कैसा हो। इसके लिए कुछ टेस्ट हो रहे हैं और प्लानिंग हो रही है।

युजवेंद्र चहल पर उल्लू एक्ट्रेस तानिया चटर्जी ने लगाए आरोप, बोलीं- मुझे मैसेज कर क्यूट कहा, दिखाए सबूत

भारतीय क्रिकेटर और पंजाब किंग्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार उनपर 'उल्लू' और 'गंदी बात' फेम एक्ट्रेस तानिया चटर्जी ने आरोप लगाया है। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें तानिया पपराजी को अपना इंस्टा डीएम दिखाती नजर आ रही हैं। उन्होंने दावा किया कि युजवेंद्र चहल उनके वीडियोज पर रिएक्ट करते हैं।

चहल ने क्या मैसेज भेजा? तानिया ने पपराजी से कहा कि युजवेंद्र चहल ने उनका वीडियो देखा और इंस्टाग्राम पर डायरेक्ट मैसेज भेजा 'क्यूट'। जब पैप्स ने उन्हें मैसेज दिखाने कहा तो उन्होंने कैमरे के सामने शर्माते हुए युजवेंद्र चहल का मैसेज दिखाया। फिर उन्होंने कहा, 'यार, क्यूट कहना तो आम बात है। मुझे तो बहुत से लोग क्यूट कहते हैं।'

तानिया ने रिप्लाई दिया? इसके बाद पपराजी ने उनका और यूजवेंद्र चहल के मैसेज का वीडिया बनाया। इस दौरान एक कैमरामैन ने तानिया से पूछा कि क्या उन्होंने युजवेंद्र चहल के इस मैसेज का जवाब दिया था? इस पर तानिया ने कहा, 'यार, मैंने तो यह मैसेज बहुत देर बाद देखा था।'**लोगों ने किया रिएक्ट-** तानिया का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग युजवेंद्र चहल को जमकर ट्रोल कर रहे हैं और उन्हें घटिया और बेशर्म कह रहे हैं। एक यूजर ने यह वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'युजवेंद्र चहल तो बहुत ही घटिया और बेशर्म इंसान है।' दूसरे ने लिखा, 'अरे यार, ये क्या हो रहा है? तानिया चटर्जी ने युजवेंद्र चहल की पोल खोल दी है। वह पैपराजी को अपना इंस्टाग्राम ष्ठरूदिखा रही है, जिसमें युजवेंद्र ने उनकी स्टोरी पर जवाब देते हुए उन्हें क्यूट कहा था। अगर यह सच है, तो युजवेंद्र को शर्म आनी चाहिए।' तीसरे ने लिखा, 'पहले धनश्री फिर आरजे महवश और तान्या। शर्म करो युजवेंद्र चहल।'**कौन हैं तानिया चटर्जी?** तान्या चटर्जी एक्ट्रेस, मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। वह कोलकाता की रहने वाली हैं और उन्होंने म्यूजिक वीडियोज में भी काम किया है। वह हिंदी ओटीटी वेब सीरीज में निभाए गए अपने रोल्स के लिए जानी जाती हैं, खास तौर पर बोल्ड कंटेंट।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन में आने वाली पीढ़ी के लिए सिगरेट पर रोक की तैयारी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की संसद ने एक नया बिल पास किया है, जिसके तहत 31 दिसंबर 2008 के बाद जन्मे लोग कभी भी सिगरेट नहीं खरीद पाएंगे। यह कानून लागू होने के बाद देश में धूम्रपान को कम करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने इसे ऐतिहासिक फैसला बताया और कहा कि इससे लोगों की जान बचेगी और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव कम होगा। इस बिल के तहत वेपिंग (ई-सिगरेट) पर भी कई जगहों पर रोक लगाई जाएगी, जैसे स्कूल, पार्क और अस्पताल। हालांकि, लोग अपने घरों में धूम्रपान कर सकेंगे और कुछ खुले स्थानों पर भी इसकी अनुमति होगी। यह कदम ब्रिटेन को दुनिया के सबसे सख्त एंटी-स्मोकिंग देशों में शामिल कर सकता है।

अमेरिका में प्रदर्शन के दौरान अधिकारी पर हमला करने का आरोप

कोलोराडो, एजेंसी। अमेरिका के कोलोराडो में एक इमिग्रेशन अधिकारी पर एक महिला प्रदर्शनकारी के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। अधिकारी पर तीसरे दर्जे के हमले और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है। घटना तब हुई जब लोग एक आईसीई केंद्र के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। महिला ने आरोप लगाया कि अधिकारी ने उसे पकड़कर गला दबाया और सड़क के दूसरी ओर फेंक दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिससे मामला और गंभीर हो गया है। इस मामले की जांच कोलोराडो जांच ब्यूरो कर रही है। पुलिस ने इसे गंभीर मामला बताया है और आगे की कार्रवाई जारी है। यह घटना अमेरिका में पुलिस और जनता के बीच बढ़ते तनाव को भी दिखाती है।

भ्रष्टाचार के आरोपों में दक्षिण अफ्रीका के पुलिस प्रमुख निलंबित

जोहान्सबर्ग., एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष पुलिस अधिकारी को गुरुवार को राष्ट्रपति द्वारा निलंबित कर दिया गया, उन पर कथित तौर पर भ्रष्ट पुलिस अनुबंध से संबंधित वित्तीय कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था। फैनी मासेमोला मंगलवार को अदालत में पेश हुईं और उनके साथ 12 अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी पेश होने वाले थे, जिन पर स्थानीय कंपनी को कथित तौर पर गैरकानूनी रूप से दिए गए अनुबंध के संबंध में धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग का संदेह है। मासेमोला पर लगे आरोप पुलिस सेवा में लेखा अधिकारी के रूप में उनकी जिम्मेदारियों से संबंधित हैं। राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने गुरुवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि उन्होंने पुलिस सेवा में वित्तीय प्रबंधन सेवाओं के आयुक्त पुलेंग डिम्पाने को कार्यवाहक पुलिस आयुक्त नियुक्त किया है, जबकि मासेमोला पर मुकदमा चल रहा है। रामाफोसा ने कहा, 'मैंने जनरल मासेमोला से सहमति जताई है कि मामले के निष्कर्ष तक उन्हें एहतियाती निलंबन पर माना जाए।' उनका निलंबन देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में व्यापक भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद हुआ है, जिनका खुलासा पिछले साल रामाफोसा द्वारा नियुक्त एक जांच आयोग में हुआ था।

पाकिस्तान में गोलीबारी की घटनाओं में पांच की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में गोलीबारी की अलग-अलग घटनाओं में कम से कम पांच लोग मारे गए। पुलिस ने बताया कि पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा में संपत्ति विवाद और लंबे समय से चली आ रही दुश्मनी के चलते गुरुवार को अलग-अलग घटनाओं में कम से कम पांच लोग मारे गए और सात घायल हो गए। ये घटनाएं चारसद्दा जिले के खुबाई, गोंडा और शबकदर बाजार क्षेत्रों में हुईं, जहां सशस्त्र व्यक्तियों ने गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग हताहत हुए। घायलों को इलाज के लिए पास के चिकित्सा केंद्रों में ले जाया गया। शबकदर और बटग्राम थानों के पुलिस अधिकारियों ने मामले दर्ज कर घटनाओं की जांच शुरू कर दी है।

लुइसियाना के मॉल में गोलीबारी, एक की मौत ; पांच लोग घायल

लुइसियाना, एजेंसी। अमेरिका के लुइसियाना में एक मॉल में गोलीबारी की घटना सामने आई है। पुलिस ने बताया है कि मॉल के फूड कोर्ट के पास दो समूहों के बीच गोलीबारी हुई। इस घटना में एक शख्स की मौत हो गई, जबकि पांच लोगों के घायल होने की जानकारी पुलिस ने दी है। इससे पहले पुलिस ने 10 लोगों के घायल होने की जानकारी दी थी। लुइसियाना के गवर्नर ने गुरुवार को कहा कि बैटन रूज में मॉल ऑफ लुइसियाना में एक गोलीबारी की घटना हुई है। गवर्नर जेफ लैंड्री ने सोशल मीडिया पर कहा कि मैं कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ संपर्क में हूं और जैसे ही हमें अधिक जानकारी मिलेगी, हम आपको अपडेट करेंगे। कृपया उस क्षेत्र से दूर रहें। लैंड्री ने कहा कि वे और उनकी पत्नी पुलिस की त्वरित कार्रवाई के लिए आभारी हैं।

ईरान ने खारिज किया ट्रंप का अंदरूनी मतभेद का दावा; ड्रोन हमले के बाद कुवैत एयरपोर्ट में लगी आग

तेहरान/वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघर गालिबाफ ने गुरुवार को देश के भीतर आंतरिक विभाजन के दावों को सख्ती से खारिज किया और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़े बयानों का जवाब दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि ईरान में किसी तरह का विभाजन नहीं है और सभी लोग एकजुट हैं तथा देश के नेतृत्व के प्रति वफादार हैं। उन्होंने लिखा कि ईरान में न तो कोई चरमपंथी है और न ही नरमपंथी, बल्कि सभी 'ईरानी' और 'क्रांतिकारी' हैं। गालिबाफ ने यह भी कहा कि देश बाहरी दबावों के बावजूद पूरी तरह एकजुट है और सरकार तथा जनता के बीच 'लोहे जैसी एकता' मौजूद है। उन्होंने इस्लामी गणराज्य के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के प्रति पूर्ण निष्ठा का भी जिक्र किया।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान किसी भी आक्रमण करने वाले को उसके कृत्यों पर पछताने पर मजबूर करेगा। उन्होंने कहा कि ईरान का मार्ग एकता और जीत का मार्ग है, जिसमें एक अल्लाह, एक नेता और एक राष्ट्र शामिल हैं। यह बयान उस समय आया, जब ट्रंप ने पहले दावा किया था कि ईरान के नेतृत्व में कट्टरपंथियों और नरमपंथियों के बीच आंतरिक मतभेद और संघर्ष चल रहा है।

गुयाना का दावा: जब्त टैंकर गलत तरीके से उसके झंडे का इस्तेमाल कर रहा था दक्षिण अमेरिकी देश गुयाना ने कहा है कि एशिया में अमेरिका द्वारा

जब्त किया गया एक तेल टैंकर गलत तरीके से उसके देश का झंडा इस्तेमाल कर रहा था। यह टैंकर कथित तौर पर प्रतिबंधित ईरान के कच्चे तेल को ले जा रहा था, जिस कारण अमेरिका ने इसे जब्त किया। गुयाना के समुद्री प्रशासन विभाग ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि यह जहाज उनके देश में पंजीकृत (रजिस्टर्ड) नहीं है। इसलिए इसका गुयाना का झंडा दिखाना पूरी तरह गलत और धोखाधड़ी है। इस्राइली सेना का दावा- लेबनान में मिसाइल लॉन्चर को निशाना बनाया इस्राइल ने कहा कि उसने लेबनान में उस मिसाइल लॉन्चर को निशाना बनाकर हमला किया है, जिसने गुरुवार को इस्राइल की ओर मिसाइल दागी थी, जिसे इस्राइली एयर डिफेंस ने रोक दिया था। इस हमले की जिम्मेदारी हिजबुल्ला ने ली है। इस्राइल की ओर से यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि इस्राइल-लेबनान के बीच संघर्षविराम को तीन हफ्ते के लिए बढ़ा दिया गया है। हिजबुल्ला ने कहा कि उसने लेबनान के याते गांव पर हुए इस्राइली हमले के जवाब में इस्राइल पर रॉकेट दागे। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस्राइली तोपखाने की गोलाबारी में एक बच्चे सहित दो लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि नबातिये क्षेत्र में इस्राइली हवाई हमले में तीन लोगों की मौत हुई। वहीं, इस्राइली सेना ने दावा किया कि उसने उन तीन लड़ाकों को मार गिराया है, जिन्होंने इस्राइली विमान पर मिसाइल दागी थी। ड्रोन हमले के बाद कुवैत के हवाई अड्डे पर लगी आग ड्रोन हमले के बाद कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आग लग गई। कुवैत के विमानन प्राधिकरण ने बताया कि ड्रोन ने हवाई अड्डे पर एक ईंधन टैंक को निशाना बनाया, जिससे यह आग लगी। हवाई अड्डा के प्रवक्ता अब्दुल्ला अल-राजही ने कुवैत न्यूज एजेंसी को बताया कि शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार नुकसान केवल संपत्ति तक सीमित है और कोई हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने तुरंत आपातकालीन प्रक्रिया दी और दमकल दल व संबंधित एजेंसियां आग पर काबू पाने में जुटी हुई हैं। कुवैत ने अपना हवाई क्षेत्र फिर से खोला फरवरी के अंत में अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद कुवैत ने पहली बार अपना हवाई क्षेत्र फिर से खोल दिया है। कुवैत के विमानन प्राधिकरण के महानिदेशक हमूद मुबारक ने सरकारी समाचार एजेंसी केयूएनए को बताया कि कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का हवाई क्षेत्र गुरुवार से फिर से खोल दिया गया है। इसे 28 फरवरी से क्षेत्र की स्थिति के कारण अस्थायी और एहतियाती तौर पर बंद किया गया था। उन्होंने कहा कि यह कदम एक चरणबद्ध योजना का हिस्सा है, जिसके तहत धीरे-धीरे हवाई यातायात बहाल किया जा रहा है, ताकि आने वाले समय में हवाई अड्डे का संचालन पूरी तरह सामान्य किया जा सके। मुबारक ने यह भी बताया कि हवाई अड्डे की कुछ सुविधाओं को ईरान और उससे जुड़े सशस्त्र समूहों के हमलों से जो नुकसान हुआ था, उसका आकलन पूरा कर लिया गया है।

अमेरिकी वॉर कॉलेज के हॉल ऑफ फेम में शामिल किए गए भारतीय सेना प्रमुख

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी को अमेरिका के आर्मी वॉर कॉलेज कार्लाइल बैरक्स के अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। भारतीय सेना ने शुक्रवार को इसे उनकी सैन्य सेवा और नेतृत्व का महत्वपूर्ण सम्मान बताया। जनरल द्विवेदी इस सम्मान को पाने वाले तीसरे भारतीय सेना प्रमुख बन गए हैं। इससे पहले जनरल वी.के. सिंह और जनरल बिक्रम सिंह को यह गौरव मिल चुका है।

भारतीय सेना ने किया ट्वीट : भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा पोस्ट में लिखा, 'जनरल उपेंद्र द्विवेदी, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ ने आर्मी वॉर कॉलेज कार्लाइल बैरक्स, यूएसए का दौरा किया, जहां उन्हें अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। यह सम्मान पाने वाले वह तीसरे भारतीय सेना प्रमुख हैं। पोस्ट में आगे कहा गया कि सेना प्रमुख ने वॉर कॉलेज की फैकल्टी और अंतरराष्ट्रीय सैन्य अधिकारियों को नेतृत्व, पेशेवर सैन्य शिक्षा और बदलते सुरक्षा परिदृश्य पर संबोधित किया। स्क्रुष्ट के फेलो और इस प्रतिष्ठित संस्थान के पूर्व छात्र रहे जनरल द्विवेदी ने कॉलेज की प्रमुख सुविधाओं का दौरा किया और शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लिया, जिसमें पैनल चर्चा, शोध

परियोजनाओं की समीक्षा और संस्थान के विशेषज्ञों से संवाद शामिल रहा।

दूतावास ने कहा- भारत अमेरिका में बढ़ रही रणनीतिक साझेदारी : इससे पहले सप्ताह की शुरुआत में अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने वॉशिंगटन में इंडिया हाउस में जनरल उपेंद्र द्विवेदी की मेजबानी की। भारतीय दूतावास ने बताया कि यह दौरा हाल ही में नौसेना और वायु सेना प्रमुखों की यात्राओं के बाद हो रहा है, जो भारत-अमेरिका के बीच उच्चस्तरीय सैन्य सहयोग को दर्शाता है। दूतावास के अनुसार, रक्षा सहयोग भारत-अमेरिका वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का एक अहम स्तंभ है और ऐसे दौरे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के साथ-साथ मुक्त, खुले और समृद्ध हिंद प्रशांत क्षेत्र के साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में सहायक होंगे। इससे पहले, जनरल द्विवेदी को हवाई स्थित फोर्ट शाफ्टर में यूएस आर्मी पैसिफिक के दौरे के दौरान गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

जब तक ईरान समझौते पर सहमत नहीं हो जाता, तब तक अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट पर दबदबा बनाए रखेगा : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि जब तक ईरान कोई समझौता नहीं करता, तब तक अमेरिका स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अपना नियंत्रण बनाए रखेगा। उन्होंने साफ कहा कि इस अहम तेल मार्ग को दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। ट्रंप ने कहा, 'इस पर हमारा पूरा नियंत्रण है। यह रास्ता तभी खुलेगा जब वे कोई समझौता करेंगे या फिर कोई और सकारात्मक स्थिति बनेगी।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस रास्ते को बंद रखने का मकसद ईरान की अर्थव्यवस्था पर दबाव डालना है। ट्रंप बोले, 'अगर हम यह रास्ता खोल देते हैं, तो ईरान रोज़ाना करीब 500 मिलियन डॉलर कमाएगा। जब तक मामला सुलझ नहीं जाता, मैं नहीं चाहता कि वे इतना पैसा कमाएं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ एक संकरा समुद्री रास्ता है, जो खाड़ी के तेल उत्पादक देशों को दुनिया के बाजारों से जोड़ता है। यहां किसी भी तरह की रुकावट से तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव आता है और सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ जाती है। ट्रंप ने माना कि इसका असर आम लोगों पर भी पड़ सकता है। ईंधन की कीमतों को लेकर पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'थोड़े समय के लिए असर होगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि बाजार अभी स्थिर हैं। ट्रंप बोले, 'शेयर बाजार अपने उच्चतम स्तर पर है। मुझे लगा था कि तेल की कीमत 200 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और कीमतें उम्मीद से काफी अलग हैं। प्रशासन ने कहा कि देश में ज्यादा उत्पादन होने से स्थिति संभली हुई है। ट्रंप ने बताया, 'हम इस समय अपने इतिहास में सबसे ज्यादा तेल और गैस का उत्पादन कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 'जब तक यह रास्ता बंद है, दुनिया भर से जहाज टेक्सास, लुइसियाना और अलास्का आ रहे हैं, ताकि अमेरिका से तेल ले सकें।' ट्रंप ने इस पूरे दबाव को सुरक्षा से भी जोड़ा। उन्होंने कहा, 'हम उन्हें परमाणु हथियार नहीं रखने दे सकते।' उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इस मामले का हल जल्दी नहीं निकलेगा। ट्रंप ने कहा, 'मुझे कोई जल्दबाजी नहीं है, हमारे पास काफी समय है।' इससे साफ है कि तेल के सीमित प्रवाह के कारण ईरान पर दबाव बढ़ता जाएगा।

ट्रंप ने इजरायल और लेबनान के बीच युद्ध विराम को तीन सप्ताह के लिए बढ़ाने की घोषणा की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल और लेबनान के बीच युद्ध विराम को तीन सप्ताह के लिए बढ़ाने की घोषणा की। इसके साथ ही इसे एक 'ऐतिहासिक' कदम बताया और वाशिंगटन में दोनों पक्षों के बीच संभावित सीधी बातचीत का संकेत दिया। यह फैसला ओवल ऑफिस में हुई एक बैठक के बाद सामने आया, जिसमें दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। अमेरिका में लेबनान की राजदूत नादा हमादेह मोवाद और इजरायल के राजदूत येचिएल लीटर बैठक में शामिल थे। ट्रंप ने कहा, 'वे तीन सप्ताह के अतिरिक्त युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं, अब और गोलीबारी नहीं होगी। दोनों देशों के नेता आने वाले सप्ताह में वाशिंगटन का दौरा कर सकते हैं।' उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस कदम को 'एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक क्षण' बताया

और दोनों पक्षों को एक साथ लाने का श्रेय राष्ट्रपति की सीधी भागीदारी को दिया। उन्होंने कहा कि इस विस्तार से दोनों देशों को दीर्घकालिक समाधान खोजने के लिए अवसर मिलेगा। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि इजरायल और लेबनान दोनों को हिजबुल्लाह को लेकर एक जैसी सुरक्षा चिंता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दोनों देश एक ही आतंकवादी संगठन के शिकार हैं, और आशा व्यक्त की कि युद्धविराम से दोनों देशों के बीच स्थायी शांति स्थापित हो सकती है। इजरायली राजदूत येचिएल लीटर ने कहा कि इजरायल शांति और नागरिकों की सुरक्षा चाहता है। दोनों सरकारें एकजुट हैं और हिजबुल्लाह के प्रभाव से देश को मुक्त कराना चाहती हैं। लेबनान की राजदूत नादा हमादेह मोवाद ने अमेरिकी समर्थन का स्वागत करते हुए कहा, 'आपकी मदद और समर्थन से हम लेबनान को फिर से स्थिर बना सकते हैं। ट्रंप ने युद्धविराम के प्रयास को व्यापक क्षेत्रीय कूटनीति से जोड़ा, जिसमें ईरान से संबंधित अमेरिकी प्रयास भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'इजरायल-लेबनान वार्ता, उन कुछ मुद्दों की तुलना में आसान होनी चाहिए जिन पर हम काम कर रहे हैं। दोनों पक्ष एक साझा खतरे के खिलाफ एकजुट हैं।' ट्रंप ने दोहराया कि हमले की स्थिति में इजरायल को जवाबी कार्रवाई का अधिकार है। उन्होंने कहा, 'इजरायल को अपनी रक्षा करनी होगी और वे करेंगे। कोई भी जवाबी कार्रवाई 'सतर्क' और 'सटीक' होगी। राष्ट्रपति ने यह भी संकेत दिया कि सऊदी अरब जैसे क्षेत्रीय देश भविष्य की वार्ताओं में भूमिका निभा सकते हैं। सऊदी अरब 'इससे बहुत खुश होगा' और शांति प्रयासों का समर्थन करेगा।

ट्रंप ने लेबनान में स्थिरता की संभावनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि बहुत अच्छी संभावना है कि वार्ता बहुत जल्दी फिर से शुरू हो सकती है। यह युद्धविराम विस्तार इजरायल-लेबनान सीमा पर लगातार तनाव के बीच हुआ है, जहां हिजबुल्लाह एक प्रमुख सशस्त्र समूह बना हुआ है। ईरान समर्थित यह समूह लंबे समय से क्षेत्रीय संघर्षों का केंद्र रहा है और इसे संयुक्त राज्य अमेरिका और इजरायल द्वारा आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक अगले हफ्ते करेंगी भारत का दौरा

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक अगले हफ्ते भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगी। यह जानकारी उनकी प्रवक्ता ला नीस कॉलिन्स ने दी। प्रवक्ता ला नीस कॉलिन्स ने बताया कि भारत सरकार के निमंत्रण पर अपनी इस यात्रा के दौरान, बेयरबॉक अधिकारियों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें करेंगी। वह भारत में संयुक्त राष्ट्र की टीम से भी मिलेंगी, जिसका नेतृत्व रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर स्टीफन प्रीसनर कर रहे हैं। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की फरवरी में नई दिल्ली में 'एआई इम्पैक्ट समिट' में शामिल होने के बाद यह भारत में संयुक्त

राष्ट्र की दूसरी उच्च-स्तरीय यात्रा है। बेयरबॉक पहले भी भारत की यात्रा कर चुकी हैं। जर्मनी की विदेश मंत्री के तौर पर अपनी एक यात्रा के दौरान उन्होंने भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए दिल्ली मेट्रो में भी सफर किया था। हालांकि, महासभा की अध्यक्ष के तौर पर यह एनालेना बेयरबॉक की पहली भारत यात्रा है। भारत के बाद बेयरबॉक चीन की यात्रा पर जाएंगी। 2022 में मंत्री के तौर पर अपनी पहली यात्रा के दौरान उन्होंने कहा था, 'चाहे वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र हो या उससे बाहर, इसमें कोई शक नहीं कि 21वीं सदी की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को आकार देने में भारत एक अहम भूमिका निभाएगा।' उन्होंने आगे कहा कि भारत ने 15 सालों में 40 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है, जो यह दिखाता है कि एक बहुलवादी समाज, स्वतंत्रता और लोकतंत्र ही आर्थिक विकास, शांति और स्थिरता के वाहक हैं। उस यात्रा के दौरान हिंद-प्रशांत क्षेत्र चर्चा का मुख्य विषय रहा था। उन्होंने कुशल कर्मियों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए 'प्रवासन और गतिशीलता समझौते' पर हस्ताक्षर किए थे। वह 2024 में जर्मनी-भारत के बीच सातवें अंतर-सरकारी परामर्श (आईजीसी) के लिए भारत आए चांसलर ओलाफ शोल्ज के साथ थीं। इसका मूलमंत्र था, 'नवाचार, गतिशीलता और स्थिरता के साथ मिलकर आगे बढ़ना।' जर्मनी जी-4 का सदस्य है। इस समूह में भारत के अलावा ब्राजील और जापान भी शामिल हैं। यह समूह सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यों को शामिल करके उसमें सुधार करने की वकालत करता है। ये चारों देश एक सुधारित सुरक्षा परिषद में स्थायी सीटों के लिए एक-दूसरे का समर्थन करते हैं।

आरएसएस और भारत को लेकर अमेरिका में गलत धारणा', दत्तात्रेय होसबाले का बयान

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि आरएसएस भारत की प्राचीन सभ्यता और सांस्कृतिक मूल्यों से प्रेरित एक जन-आधारित स्वैच्छिक संगठन है। इसे आम तौर पर हिंदू संस्कृति के रूप में जाना जाता है। उन्होंने बताया कि संगठन चरित्र, आत्मविश्वास और सेवा की भावना वाले स्वयंसेवक तैयार करने के लिए रोजाना और साप्ताहिक एक घंटे की साखाएं चलाता है। इनके माध्यम से जीवन मूल्य सिखाए जाते हैं और समाज के लिए इंसान को तैयार किया जाता है। इसके साथ ही संगठन प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत कार्य भी करता है। संगठन से जुड़े स्वयंसेवकों ने 40 नागरिक संस्थाएं भी बनाई हैं। 'अमेरिका में आरएसएस और भारत को लेकर गलत धारणा' अमेरिकियों को आरएसएस के बारे में क्या गलतफहमी है, इस पर आरएसएस महासचिव होसबाले ने कहा, अमेरिकियों की गलतफहमी केवल आरएसएस के बारे में नहीं है। भारत के बारे में भी है। अमेरिका की गलतफहमी यह है कि यह (भारत) अधिक जनसंख्या वाला, झुग्गियों से भरा, गरीबी वाला देश है और इसे सांप-सपेरों, झुग्गियों और साधुओं की भूमि माना जाता है। जबकि भारत एक तकनीकी केंद्र भी है और दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। ये बातें आम अमेरिकी धारणा में कहीं न कहीं छूट जाती हैं। आरएसएस के बारे में भी जो धारणा बनाई गई है, चाहे जानबूझकर या अनजाने में या

किसी एजेंडे के हिस्से के रूप में, वह यह है कि आरएसएस हिंदू श्रेष्ठतावादी है और किसी तरह ईसाई-विरोधी, अल्पसंख्यक-विरोधी, महिलाओं के विकास का विरोधी और आधुनिकता का विरोधी है। जो सकारात्मक बातें हैं, वह हमेशा नहीं बताई जाती। 'हिंदुओं का श्रेष्ठता का स्वभाव नहीं' कार्यक्रम में उनसे सवाल किया गया कि इस विचार को कि आरएसएस एक हिंदू श्रेष्ठतावादी संगठन है, आप कैसे चुनौती देंगे, इस पर होसबाले ने कहा, हिंदू दर्शन और संस्कृति हमेशा खुद को दूसरों से अधिक श्रेष्ठ मानने की नहीं हैं। हम हर किसी में एक जैसे देखते हैं, चाहे वह सजीव हो या निर्जीव। जब यह हिंदुओं का मूल दर्शन है, तो हिंदुओं का श्रेष्ठता का स्वभाव नहीं हो सकता। इतिहास में, हिंदुओं ने कभी किसी देश पर आक्रमण नहीं किया या किसी को गुलाम नहीं बनाया। हिंदुओं के माफी मांगने के लिए कुछ नहीं है। 'सांस्कृतिक मूल्य और आधुनिकता एक-दूसरे के विपरीत नहीं' होसबाले ने कहा, आधुनिकता और सांस्कृतिक मूल्य साथ-साथ चल सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि सांस्कृतिक मूल्य और आधुनिकता एक-दूसरे के विपरीत दिशा में जाते हैं। सनातन का मतलब शाश्वतता है।

ट्रंप ने दवाओं की कीमतों में रिकॉर्ड कटौती का किया दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पर्चे वाली दवाओं की कीमतों को कम करने के लिए प्रमुख फार्मास्युटिकल कंपनियों के साथ व्यापक समझौतों की घोषणा की और इसे 'हमारे देश के इतिहास में दवाओं की कीमतों में सबसे बड़ी कटौती' बताया।

व्हाइट हाउस में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि प्रमुख कंपनियों में से एक रीजेनेरॉन, 'मोस्ट फेवर्ड नेशन' कीमतों पर दवाएं देने के लिए सहमत हो गई है। उन्होंने कहा, 'कीमतें ऐसे स्तर तक गिरेंगी, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया।' उन्होंने कहा, 'इस घोषणा के साथ, दुनिया की 17 सबसे बड़ी फार्मास्युटिकल कंपनियाँ, जो ब्रांडेड दवाओं के बाजार के 80 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करती हैं, अब अमेरिकी मरीजों को दुनिया में कहीं भी मिलने वाली सबसे कम कीमतों पर अपनी दवाएं बेचने के लिए सहमत हो गई हैं।' ट्रंप ने तर्क दिया कि अमेरिकी लंबे समय से अत्यधिक कीमतें चुकाते रहे हैं। उन्होंने कहा, 'दशकों से अमेरिकियों को पर्चे वाली दवाओं के लिए दुनिया में सबसे ज्यादा कीमतें चुकाने के लिए मजबूर किया गया है। स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने इस कदम का समर्थन करते हुए इसे लंबे समय से जारी 'लूट' के खिलाफ कार्रवाई बताया।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका, जो 'दुनिया की आबादी का 4.2 प्रतिशत' है, फार्मास्युटिकल उद्योग के '75 प्रतिशत मुनाफे' का स्रोत रहा है। सेंटर्स फॉर मेडिकेयर एंड मेडिकेड सर्विसेज के प्रशासक मेहमत ओज़ ने कहा कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य दवाओं को सस्ता बनाना है। उन्होंने कहा, 'हर तीन में से एक अमेरिकी...अक्सर बिना दवा लिए ही लौट जाता है क्योंकि वह दवाएं खरीदने में सक्षम

नहीं होता। प्रशासन ने कुछ खास कीमतों में कटौती का भी उल्लेख किया, जिसमें एक कोलेस्ट्रॉल की दवा की कीमत '537 डॉलर से घटकर 225 डॉलर' और एक वजन घटाने की दवा की कीमत '1,350 डॉलर प्रति माह से घटकर 199 डॉलर प्रति माह तक' होने की बात कही गई। रीजेनेरॉन के सीईओ लियोनार्ड श्लाइफ़र ने कहा कि कंपनी वैश्विक मूल्य संतुलन के प्रयासों का समर्थन करती है। उन्होंने कहा, 'हमें यहां आने के लिए मजबूर नहीं किया गया। हम यहां आकर खुश हैं क्योंकि यह दवाओं की कीमतें कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी ने एक दुर्लभ प्रकार के बहरापन के लिए जीन थेरेपी की भी घोषणा की, जिसे पात्र बच्चों को कुछ समय तक मुफ्त प्रदान किया जाएगा। जॉर्ज यानकोपोलोस ने इस उपचार को 'अपने तरह की पहली जीन थेरेपी... जिससे ट्रैविस अब अपनी माँ की आवाज सुन सकता है' बताया। सिएरा स्मिथ, जिनके दो साल के बेटे को यह थेरेपी दी गई, ने इस परिणाम को 'बेहद अद्भुत' बताया और कहा, 'अब वह सुन सकता है... यह जीवन बदल देने वाला है। वाणिज्य सचिव हावर्ड लटनिक ने कहा कि यह नीति घरेलू विनिर्माण से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा, 'इसका मतलब है कि 448 अरब डॉलर का दवा निर्माण अमेरिका में आएगा।' व्हाइट हाउस ने कहा कि ये समझौते अब ब्रांडेड फार्मास्युटिकल बाजार के लगभग 86 प्रतिशत हिस्से को कवर करते हैं और आगे भी बातचीत जारी है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, —mail bheempragya@gmail.com